mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-134 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
16 मई 2026 शनिवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

भारत-यूएई के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर समझौता

मोदी के प्लेन को एफ-16 एयरक्राफ्ट से सुरक्षा दी गई, राष्ट्रपति अल नाहयान के साथ बैठक की

दुबई,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूएई दौरे पर पहुंचे हैं। अबूधाबी पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक एयरफोर्स के एफ-16 फाइटर जेट्स ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया।

प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों देशों के बीच एलपीजी सप्लाई को लेकर अहम समझौता हुआ। इसके अलावा स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व, रक्षा सहयोग और वडिनार में शिप रिपेयर क्लस्टर से जुड़े MoU भी साइन किए गए। UAE ने भारतीय इंफ्रास्ट्रक्चर, RBL बैंक और सम्मान कैपिटल में 5 अरब डॉलर निवेश का ऐलान भी किया है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक दोनों नेताओं ने ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, निवेश और वेस्ट एशिया के हालात पर चर्चा की।

मोदी बोले- भारत-यूएई की दोस्ती बेहद मजबूत : प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट कर भारत-यूएई रिश्तों को मजबूत और भरोसेमंद बताया। उन्होंने कहा, 'भारत और यूएई की दोस्ती बहुत मजबूत है। मोदी ने कहा कि दोनों देश बेहतर भविष्य के निर्माण के लक्ष्य के साथ मिलकर काम करते रहेंगे।

क्रूड ऑयल का उत्पादन बढ़ाएगा यूएई : यूएई ने हाल ही में दुनिया के बड़े तेल निर्यातक देशों के संगठन OPEC छोड़ने का ऐलान किया है। यूएई ने 2027 तक अपना क्रूड ऑयल उत्पादन बढ़ाकर 50 लाख बैरल प्रतिदिन करने की योजना बनाई है। ऐसे में भारतीय कंपनियों और यूएई की कंपनियों के बीच लंबी अवधि के ऊर्जा समझौतों पर बातचीत होने की संभावना जताई जा रही है। पूर्व भारतीय राजदूत संजय सुधीर ने ANI से बातचीत में कहा कि वेस्ट एशिया के हालात के बीच प्रधानमंत्री मोदी का.श्व दौरा काफी अहम है। उन्होंने कहा कि यह भारत की तरफ से समर्थन का मजबूत संकेत भी माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा भारत और यूएई के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को भी मजबूत करेगी।

मोदी बोले- भारत-यूएई साझेदारी नई ऊंचाइयों पर पहुंची

मोदी ने कहा कि जनवरी में यूएई राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान रिश्तों को और मजबूत करने पर सहमति बनी थी। उन्होंने कहा कि कम समय में दोनों देशों ने सभी क्षेत्रों में तेज प्रगति की है। मोदी ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में भारत-यूएई रणनीतिक सहयोग का महत्व और बढ़ गया है। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों देश आने वाले समय में हर क्षेत्र में साथ आगे बढ़ेंगे।

पेट्रोल-डीजल 3-3 महंगे हुए, नई कीमतें लागू

दिल्ली में पेट्रोल 97.77 लीटर हुआ, कंपनियों को अभी भी 25-30 प्रति लीटर का घाटा

नई दिल्ली,एजेंसी। पेट्रोल और डीजल 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। दिल्ली में अब पेट्रोल 97.77 रुपए प्रति लीटर में मिलेगा। डीजल की कीमत 90.67 रुपए प्रति लीटर हो गई है। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं।करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है।वहीं कंपनियों को अभी भी पेट्रोल-डीजल पर 25- 30 प्रति लीटर का घाटा हो रहा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों के साथ प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। दिल्ली में अब एक किलो CNG के लिए 79.09 खर्च करने होंगे।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

डीजल के दाम बढ़ने का सीधा असर आम आदमी की जेब और किचन पर पड़ता है।

- **मालभाड़ा बढ़ेगा:** ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।
- **खेती की लागत:** ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।
- **बस-ऑटो का किराया:** सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी?इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में वृद्धि, कांग्रेस बोली: चुनाव खत्म, वसूली शुरू

महंगाई मैन मोदी ने फिर जनता पर हंटर चलाया

अखिलेश यादव बोले: साइकिल ही विकल्प

नई दिल्ली,एजेंसी। पेट्रोल, डीजल में 3-3 रुपए प्रति लीटर महंगा हो गया है। प्रमुख शहरों में CNG भी 2 प्रति किलो तक महंगी हो गई हैं। नए दाम आज 15 मई से लागू हो गए हैं। करीब 2 साल बाद दामों में ये बढ़ोतरी की गई है।

विपक्षी दलों ने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। सरकार पर बढ़ती महंगाई और आर्थिक दबाव के बीच आम लोगों पर बोझ बढ़ाने का आरोप लगाया है।

इस बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'महंगाई मैन' मोदी ने आज फिर जनता पर हंटर चलाया है। चुनाव खत्म हो गए हैं, मोदी की वसूली शुरू हो गई है।

नीट अगले साल से ऑनलाइन होगी

इस साल रद्द हुई परीक्षा 21 जून को, यह पेपर-पेंसिल से होगी; सरकार ने माना- पेपर लीक हुए

नई दिल्ली,एजेंसी। अगले सत्र से NEET-UG परीक्षा ऑनलाइन होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को इसका ऐलान किया। उन्होंने माना कि 3 मई को हुई NEET-UG-2026 की परीक्षा के पेपर लीक हुए थे।उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई गलत कैंडिडेट सिलेक्ट हो जाए। इसलिए हमने बड़ी जिम्मेदारी से परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया। अब यह परीक्षा रविवार 21 जून को होगी। 3 मई को यह एग्जाम देश के 551 और विदेशों के 14 शहरों में हुई था। इसके लिए 5400 से ज्यादा एग्जाम सेंटर्स बनाए गए थे। इसमें 22.79 लाख स्टूडेंट्स बैठे थे।

उदयनिधि बोले- हम भगवान में आस्था के खिलाफ नहीं

लोग मंदिरों में जाएं; सनातन खत्म का मतलब, भेदभाव वाली सोच का अंत

चेन्नई,एजेंसी। तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने सनातन खत्म वाले अपने बयान पर 2 दिन बाद सफाई दी। उदयनिधि ने कहा- मेरे बयान को गलत समझा जा रहा है। मैं लोगों के मंदिर जाने के खिलापु नहीं बस वहां जाति के आधार पर जो भेदभाव होता है, उस सोच को खत्म करना होगा।उदयनिधि स्टालिन ने 12 मई को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी।

उदयनिधि ने सोशल मीडिया पर सफाई दी, कहा- मैं आलोचना से डरने वाला नहीं : उदयनिधि ने सोशल मीडिया X पर लिखा- तमिलनाडु विधानसभा में जब मैंने कहा था कि लोगों को बांटने वाले सनातन को खत्म होना चाहिए तो कुछ लोग मेरी आलोचना कर रहे हैं।लेकिन मैं ऐसी आलोचनाओं से डरने वाला नहीं हूं। द्रविड़ आंदोलन हमेशा विरोध के बीच ही आगे बढ़ा है।

ट्रम्प बोले- चीन के साथ शानदार ट्रेड डील हुई

दोनों देशों को फायदा होगा; जिनपिंग के साथ बैठक की; बीजिंग से रवाना हुए

बीजिंग,एजेंसी। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प तीन दिन का चीन दौरा पूरा कर वापस रवाना हो गए हैं। उन्होंने शुक्रवार को चीनी राष्टपति शी जिनपिंग से अंतिम दौर की बातचीत की। दोनों नेताओं की यह बैठक बीजिंग के झोंगनानहाई परिसर में हुई। इसे चीन के शीर्ष नेतृत्व का सबसे सुरक्षित और गोपनीय सत्ता केंद्र माना जाता है। बैठक के बाद ट्रम्प ने बताया कि चीन के साथ शानदार ट्रेड डील हुई हैं। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से अमेरिका और चीन दोनों को फायदा होगा। ट्रम्प ने कहा, हमने कुछ शानदार समझौते किए हैं, जो दोनों देशों के लिए अच्छे हैं।

यूपी में आंधी-बारिश से मौत का आंकड़ा 111 पहुंचा

महाराष्ट्र के 4 शहरों में पारा 45डिग्री पार, यूपी में बांदा, राजस्थान में फलोदी सबसे गर्म

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ,एजेंसी। यूपी में बुधवार को आंधी और बारिश ने जमकर तबाही मचाई। राज्य में 111 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा 21 मौतें प्रयागराज और 17 मौतें भदोही में हुई। रूस के राष्टपति व्लादिमीर पुतिन ने भी इन मौतों पर दुख जताया। उधर का देश का आधे से ज्यादा हिस्सा हीटवेव की चपेट में है। महाराष्ट, राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में गुरुवार को तापमान 40डिग्री के पार दर्ज किया गया। महाराष्ट का अकोला 45.9डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। जलगांव, वर्धा और अमरावती में भी पारा 45डिग्री के ऊपर दर्ज हुआ। राजस्थान के फलोदी में तापमान 45.2डिग्री, जैसलमेर और बाड़मेर में 45.1डिग्री रिकॉर्ड हुआ। श्रीगंगानगर में 44.8डिग्री और जोधपुर में 44डिग्री पारा रहा। जयपुर, बीकानेर और नागौर में दिनभर हीटवेव जैसे हालात रहने के बाद शाम को बारिश हुई। इससे गर्मी से थोड़ी राहत मिली। इधर, यूपी में बांदा राज्य का सबसे गर्म जिला रहा। यहां तापमान 45.2डिग्री रहा। इसके अलावा गुजरात का भावनगर 45.2डिग्री और मध्य प्रदेश का खंडवा 44.5 डिग्री के साथ अपने राज्य के सबसे ज्यादा गर्म शहर थे।

जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

कई नेता हिरासत में; सीएम अब्दुल्ला बोले- लोग अपनी मर्जी से पीते हैं

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर को 100 दिनों के भीतर नशा मुक्त बनाने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच रविवार को एक पत्रकार के सवाल पर मुख्यमंत्री के बयान को लेकर विवाद खड़ा हो गया।अब्दुल्ला ने कहा था कि लोग अपनी मर्जी से शराब का सेवन करते हैं। सरकार किसी को भी शराब की दुकानों पर जाने के लिए मजबूर नहीं कर रही है।उन्होनें कहा, ये दुकानें उन लोगों के लिए हैं जिनका धर्म उन्हें शराब पीने की इजाजत देता है। जम्मू-कश्मीर में अभी तक किसी भी सरकार ने इन दुकानों पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।इसी मुद्दे पर श्रीनगर में शुक्रवार को भाजपा ने जम्मू-कश्मीर में शराब पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास की ओर मार्च करने से रोक दिया।

शराबबंदी की मांग को लेकर नारेबाजी हुई: अधिकारियों के अनुसार, बड़ी संख्या में बीजेपी नेता और कार्यकर्ता राम मुंशी बाग पार्क के पास इकट्ठा हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते में रोक दिया और कुछ नेताओं को हिरासत में लिया। बाद में पुलिस ने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शांतिपूर्वक वहां से हटा दिया।

भाजपा बोली- श्रीनगर संतों और सूफियों की भूमि: जम्मू-कश्मीर बीजेपी के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने कहा- बीजेपी कश्मीर में हर तरह के नशे के खिलाफ है। वे शराब का समर्थन कर रहे हैं। यह उन लोगों के लिए चेतावनी है, जो राजस्व के लिए शराब का समर्थन कर रहे हैं।

आधुनिक युद्ध में साथ चलना ही जीत की चाबी, रक्षा मंत्री ने तीनों सेनाओं के तालमेल पर दिया जोर

नई दिल्ली,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश की सुरक्षा को लेकर एक बहुत बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा है कि आज के समय में युद्ध लड़ने का तरीका पूरी तरह से बदल चुका है। अब युद्ध केवल जमीन, समुद्र या हवा तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष और साइबर दुनिया तक पहुंच गया है। ऐसे में देश की सुरक्षा तभी पक्की हो सकती है जब हमारी सभी सेनाएं और रक्षा से जुड़े विभाग एक साथ मिलकर काम करें। नई दिल्ली में आयोजित कलाम और कवच नाम के एक बड़े रक्षा सम्मेलन में उन्होंने यह अहम बात कही है। यह सम्मेलन देश को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और मजबूत बनाने के लिए आयोजित किया गया था। रक्षा मंत्री ने एक वीडियो संदेश में कहा कि आधुनिक युद्ध में अलग-अलग रहकर सफलता नहीं मिल सकती है। जीत इस बात पर निर्भर करेगी कि भारतीय रक्षा बल जमीन, समुद्र, हवा, अंतरिक्ष और साइबरस्पेस में कितनी कुशलता से एक साथ आते हैं। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि देश की ताकत इस बात से तय होगी कि हमारी सेनाएं, प्रयोगशालाएं और उद्योग कितनी जल्दी एक साथ सोचते हैं और काम करते हैं। इसके साथ ही रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए बताया कि यह नए भारत की ताकत और आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त न करने की नीति का सीधा सुबूत है। युद्ध के बदलते हुए तरीकों के बीच देश की सुरक्षा कैसे तय होगी इस सवाल का जवाब देते हुए रक्षा मंत्री ने बताया कि आज के समय में भू-राजनीतिक तनाव, साइबर खतरे और नई तरह की युद्ध तकनीकों को देखते हुए हम पुरानी सोच के भरोसे नहीं रह सकते हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हमें हमेशा तैयार रहना होगा और नया सोचना होगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय के युद्ध के मैदान में उसी की जीत होगी जो किसी भी नए विचार या तकनीक को बहुत जल्दी हथियार बनाकर सेना तक पहुंचा सकेगा। इसलिए सेनाओं के साथ-साथ रक्षा नीति बनाने वालों, वैज्ञानिकों और उद्योगों को बिल्कुल करीब आकर काम करना होगा। रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना भारत के लिए क्यों सबसे ज्यादा जरूरी है राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि हथियारों के मामले में आत्मनिर्भर होना केवल देश की अर्थव्यवस्था के लिए ही नहीं, बल्कि हमारी रणनीति के लिए भी एक बहुत बड़ी जरूरत है। अगर कोई देश अपने अहम रक्षा उपकरणों के लिए दूसरे देशों पर बहुत ज्यादा निर्भर रहता है, तो संकट के समय में वह हमेशा कमजोर ही साबित होगा। इसलिए भारत को अपने देश के अंदर ही हथियारों को डिजाइन करना, बनाना और उन्हें आधुनिक करना होगा। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने भी स्वदेशी तकनीक को देश के सुरक्षित भविष्य के लिए बेहद जरूरी बताया है।

धारकी भोजशाला को हाईकोर्ट ने वाग्देवी का मंदिर माना

पांच याचिकाओं और तीन इंटरवेंशन पर सुनवाई के बाद हाईकोर्ट का फैसला

धार,एजेंसी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने धार की भोजशाला को वाग्देवी मंदिर माना है। कई साल पुराने इस विवाद में पांच याचिकाओं और तीन इंटरवेंशन पर सुनवाई पूरी होने के बाद दो जजों की बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

फैसले के मद्देनजर इंदौर और धार जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। शुक्रवार होने से संवेदनशीलता और बढ़ गई है, क्योंकि इसी दिन मुस्लिम समाज भोजशाला परिसर में जुमे की नमाज अदा करता है। प्रशासन ने दोनों पक्षों से शांति बनाए रखने और अपुष्ट जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है।

रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स भी तैनात: जिलेभर से 1200 पुलिसकर्मियों को धार लाया गया है। धार पुलिस कंट्रोल रूम में जिलेभर से करीब 1200 पुलिसकर्मियों को बुलाया गया है। एसपी सचिन शर्मा ने कंट्रोल रूम पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पुलिस बल को निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि धार शहर की सुरक्षा 12 लेयर में की गई है। रिजर्व पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स को भी अलर्ट पर रखा गया है।

2022 में दायर हुई थी याचिका: यह मामला 2022 में शुरू हुआ, जब रंजना अग्निहोत्री और अन्य ने हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर भोजशाला का धार्मिक स्वरूप तय करने और हिंदू समाज को पूर्ण अधिकार देने की मांग की।

- **एएसआई ने किया था 98 दिन का वैज्ञानिक सर्वे:** 2024 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भोजशाला परिसर का 98 दिन तक वैज्ञानिक सर्वे किया था। इसके बाद 23 जनवरी 2026 को वसंत पंचमी पर सुप्रीम कोर्ट ने दिनभर निर्बाध पूजा-अर्चना की अनुमति दी। हाईकोर्ट में 6 अप्रैल से नियमित सुनवाई शुरू हुई, जो 12 मई तक चली।
- **हिंदू पक्ष ने मंदिर होने के दिए तर्क:** हिंदू पक्ष की ओर से अधिवक्ताओं ने भोजशाला को मां सरस्वती का मंदिर और प्राचीन विद्या केंद्र बताते हुए ऐतिहासिक दस्तावेज,एएसआई सर्वे, शिलालेख, स्थापत्य अवशेष और वसंत पंचमी पर पूजा की परंपरा का हवाला दिया। अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने परमार राजा भोज के ग्रंथ समरांगण सूत्रधार का उल्लेख करते हुए कहा कि भोजशाला की संरचना उसमें वर्णित मंदिर निर्माण मानकों से मेल खाती है।

याचिका में नियमित पूजा-अर्चना का अधिकार, परिसर में नमाज पर रोक, ट्रस्ट गठन और ब्रिटिश म्यूजियम में रखी मां वाग्देवी की प्रतिमा वापस लाने जैसी मांगें शामिल हैं।

अब विजय के विधायक के विवादित बोल, कहा- हम भी सनातन को खत्म करने के लिए मैदान में, फिर पलटे

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के विधायक मधर बदरुद्दीन (वी एम एस मुस्तफा) ने सदन में नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म पर दिए गए बयान का समर्थन कर विवाद खड़ा कर दिया। हालांकि, चौतरफा आलोचना के बाद पलटते हुए उन्होंने अपना बयान वापस ले लिया। विजय की पार्टी से मदुरै मध्य से विधायक बदरुद्दीन ने टिप्पणी की थी कि ''हम भी सनातन धर्म को खत्म करने के लिए मैदान में हैं।'' टीवीके विधायक ने हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की ओर से उनकी और जोसेफ सी विजय के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना किए जाने के बाद स्पष्टीकरण जारी किया।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने आरोप लगाया कि किसी मुस्लिम व्यक्ति, विशेषकर निर्वाचित प्रतिनिधि द्वारा हिंदू धर्म के बारे में अपमानजनक बातें कहना और इसे समाप्त करने की उद्घोषणा करना धार्मिक सद्भाव को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगा। तिरुपति ने सवाल किया, ''सनातन धर्म की आलोचना करने वाले मुस्तफा क्या इस्लामी आस्था की आलोचना करने का साहस करेंगे? क्या वे ईसाई धर्म की आलोचना करने के लिए आगे आएंगे?''

भाजपा नेता ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि सत्ता में होने मात्र से कुछ भी कहने का अधिकार रखने का विश्वास अहंकार को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री विजय ने अब तक विधानसभा में उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म पर दिए गए भाषण या टीवीके विधायक मुस्तफा की टिप्पणियों की निंदा नहीं की है। एक मुख्यमंत्री के लिए, जो सभी लोगों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है, बहुसंख्यक समुदाय की जीवनशैली की आलोचना की निंदा न करना उनके उच्च पद के अनुरूप नहीं है।'' तिरुपति ने कहा कि सनातन धर्म ''जीवंत और शाश्वत'' है। उन्होंने कहा, ''इसे अतीत में किसी ने भी नष्ट या मिटाया नहीं है, न ही आज कोई जीवित व्यक्ति ऐसा करने में सक्षम है, और न ही भविष्य में जन्म लेने वाला कोई व्यक्ति इसे नष्ट कर पाएगा।'' मुस्तफा ने 12 मई को मदुरै में संवाददाताओं द्वारा विधानसभा में विश्वास प्रस्ताव जीतने की टीवीके की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर कहा था कि पार्टी विजयी होगी।

'हम किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं'

उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म के उन्मूलन संबंधी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर मुस्तफा ने कहा, ''हम टीवीके में पेरियार ई.वी. रामासामी और बी.आर. आंबेडकर की विचारधाराओं का अनुसरण करते हैं, और हम भी सनातन धर्म का विरोध करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' मुस्तफा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में स्पष्ट किया कि ''हम किसी भी धर्म के खिलाफ नहीं हैं।'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता उदयनिधि स्टालिन ने 12 मई को विधानसभा में अपने संबोधन के दौरान अपने पहले के विवादास्पद बयान को दोहराया कि सनातन धर्म का उन्मूलन किया जाना चाहिए। भाजपा नेता विनोद पी सेल्वम ने मांग की कि विजय को मुस्तफा को बर्खास्त करना चाहिए ताकि यह साबित हो सके कि वह धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के लिए खड़े हैं।

मुख्यमंत्री थलपति विजय ने पीएम मोदी को लिखा लेटर पत्र में मुख्यमंत्री ने टेक्सटाइल सेक्टर में आए संकट पर चिंता जताई

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर कपास पर लगने वाली इंपोर्ट ड्यूटी हटाने की मांग की। इस पत्र में मुख्यमंत्री ने टेक्सटाइल सेक्टर में आए संकट पर चिंता जताई। यह सेक्टर राज्य में ग्रामीण महिलाओं को सबसे ज्यादा रोजगार देता है। विजय ने इस गंभीर संकट की वजह कपास और धागे की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को बताया। यह बढ़ोतरी उत्पादन में कमी और ट्रेडिंग एक्टिविटी बढ़ने के कारण हुई है। उन्होंने पत्र में लिखा, 'तमिलनाडु भारत का सबसे बड़ा टेक्सटाइल और कपड़ों का एक्सपोर्ट करने वाला राज्य है। लाखों लोग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के रोजगार के लिए इस सेक्टर पर निर्भर हैं। इनमें खास तौर पर ग्रामीण और अर्ध-शहरी इलाकों की महिलाएं शामिल हैं। हाल के दिनों में, कपास की कीमतों में बढ़ोतरी और उसके चलते धागे की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के कारण यह इंडस्ट्री एक गंभीर संकट का सामना कर रही है। मेरा मानना ??है कि इसकी मुख्य वजह देश में कपास के उत्पादन में कमी और ट्रेडिंग एक्टिविटी में हुई बढ़ोतरी है।' नए चुने गए मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले दो महीनों में कपास की

कीमतों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसकी कीमत 54,700 रुपये से बढ़कर 67,700 रुपये प्रति कैंडी हो गई है। उन्होंने आगे बताया कि धागे की कीमतें भी 301 रुपये से बढ़कर 330 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई हैं, जिससे इंडस्ट्री के लिए कच्चे माल की भारी कमी पैदा हो गई है। उन्होंने आगे कहा, 'कपास की कीमत 54,700 रुपये से बढ़कर 67,700 रुपये प्रति कैंडी हो गई है, जो पिछले दो महीनों में 25 फीसदी की बढ़ोतरी है, जबकि धागे की कीमत 301 रुपये से बढ़कर 330 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। ऐसी स्थिति में, कच्चे माल की लगातार आपूर्ति केवल आयात के जरिए ही सुनिश्चित की जा सकती है। हालांकि, कपास पर 11 फीसदी आयात शुल्क लगता है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि के बाद, कपड़ा और परिधान क्षेत्र रोजगार देने वाला सबसे बड़ा क्षेत्र है, खासकर ग्रामीण और अर्ध-शहरी पृष्ठभूमि की महिलाओं के लिए। उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी स्थिति में, बिना किसी शुल्क के कपास के आयात की अनुमति देने से उद्योग को अपने बढ़ते निर्यात लक्ष्यों को पूरा करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहने में मदद मिलेगी। कृषि के बाद, कपड़ा और परिधान क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वाले क्षेत्रों में से एक है। इसलिए, लाखों लोगों के रोजगार की रक्षा करना और कपड़ा मूल्य श्रृंखला की निरंतरता सुनिश्चित करना सरकार की एक बड़ी जिम्मेदारी है।'

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, हम और मजबूत होकर लौटेंगे: टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने गुरुवार को एक भावनात्मक संदेश जारी करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जारी वीडियो संदेश में उन्होंने पार्टी के हर कार्यकर्ता को सिपाही बताते हुए उनके साहस, धैर्य और न्याय के लिए लगातार संघर्ष के लिए धन्यवाद दिया। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बेहद कठिन और समझौता किए गए चुनाव के बावजूद कार्यकर्ताओं ने उम्मीद नहीं छोड़ी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर पार्टी के उम्मीदवारों और काउंटिंग एजेंटों को जबरन हटाया गया, जबकि मतगणना प्रक्रिया पर केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का प्रभाव रहा। टीएमसी नेता ने पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद हुई हिंसा पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र द्वारा सुरक्षा के आश्वासन के बावजूद राज्य में चौंकाने वाली हिंसा देखने को मिली। आरोप लगाया कि केंद्रीय बल मूकदर्शक बने रहे, जबकि पार्टी के कार्यकर्ताओं, दफ्तरों और घरों पर हमले हुए और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। उन्होंने इस हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के

परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। बनर्जी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में बंगाल ने बहुत कुछ सहा है और ऐसी घटनाएं राज्य की मूल भावना के खिलाफ हैं। टीएमसी सांसद ने यह स्पष्ट किया कि यह लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हर प्रकार की कथित अनियमितता, हेरफेर और सत्ता के दुरुपयोग को संवैधानिक और कानूनी तरीकों से चुनौती दी जाएगी। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं पर पूरा भरोसा जताया। उन्होंने दावा किया कि 100 से अधिक सीटों पर उम्मीदवारों और काउंटिंग एजेंटों को जबरन हटाया गया और कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं, जिससे जनता के जनादेश को कमजोर किया गया। उन्होंने कहा कि सच को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता और बंगाल के लोगों के साथ हुए हर अन्याय का मुद्दा पूरी ताक़त और दृढ़ता के साथ उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बंगाल के लोग जानते हैं कि हर मुश्किल घड़ी में कौन उनके साथ खड़ा रहा और हमें भी धैर्य, एकता और दृढ़ता के साथ ऐसा करना जारी रखना चाहिए। सच को हमेशा के लिए दबाया नहीं जा सकता। हम और भी ज्यादा मजबूत होकर लौटेंगे।

टीएमसी सांसद ने कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने की सलाह देते हुए कहा कि जमीन पर डटे रहें। साहस, अनुशासन और सकारात्मकता के साथ लोगों की सेवा करना जारी रखें। हमारी लड़ाई अटूट दृढ़ता और लोकतंत्र में पूर्ण विश्वास के साथ जारी रहेगी।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है।

जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे

चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया।

हॉर्मुज और ईरान पर सहमति: दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया।

भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदा: बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अबू धाबी, एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है।

'भारतीय जहाज पर हुआ हमला खतरनाक उकसावा': यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला 'खतरनाक उकसावा' है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों को निशाना

बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के हर कदम का समर्थन - संयुक्त अरब अमीरात: यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल 'आर्थिक दबाव' या 'ब्लैकमेल' के लिए करना समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की घटना की निंदा: वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं।

फिर कटघरे में काश पटेल, समुद्र में छुट्टी और यात्राओं को लेकर चौंकाने वाले दावे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल एक बार फिर मुश्किलों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सरकारी यात्राओं के दौरान काम के साथ-साथ निजी मौज-मस्ती को मिला दिया। ताजा विवाद उनके हवाई दौरे को लेकर है, जहां उन्होंने पर्ल हार्बर स्मारक जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर 'स्नॉर्कलिंग' (समुद्र की सतह पर तैरना) की। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जगह वह तैराकी कर रहे थे, वह द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए 900 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की जलमग्न समाधि है। इस खुलासे के बाद अमेरिका में उनके पद के दुरुपयोग को लेकर बहस छिड़ गई है।

हवाई दौरे के दौरान आखिर क्या छिपाया गया: सरकारी ईमेल से मिले दस्तावेजों के आधार पर यह खुलासा हुआ है कि पिछले साल अगस्त में काश पटेल जब हवाई गए थे, तो एफबीआई ने इसे पूरी तरह सरकारी दौरा बताया था। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने वहां कानून लागू करने वाली एजेंसियों से मुलाकात की। लेकिन, एफबीआई ने यह बात दबा ली कि आधिकारिक काम खत्म होने के बाद पटेल दो दिनों के लिए वहां वापस लौटे और 'वीआईपी स्नॉर्कलिंग' का लुत्फ उठाया। उन्होंने यूएसएस एरिजोना युद्धपोत के मलबे के पास तैराकी की, जो एक मिलिट्री कब्रिस्तान है। आम लोगों के लिए यहां तैरना या गोताखोरी करना सख्त मना है, क्योंकि यह 1941 में जापान के हमले में मारे गए वीरों की याद में बना एक अत्यंत पवित्र स्थल है।

क्या काश पटेल का यह व्यवहार एक पुराने पैटर्न का हिस्सा है: काश पटेल पर संसाधनों के गलत इस्तेमाल के आरोप नए नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि वे अक्सर सरकारी विमान और सुविधाओं का उपयोग अपनी छुट्टियों और निजी शौक पूरा करने के लिए करते हैं। अभी कुछ समय पहले फरवरी में भी वह तब विवादों में आए थे।

आतंक के खिलाफ भारत-फिलीपीन एकजुट, बढ़ेगा तकनीकी सहयोग

मनीला, एजेंसी। भारत और फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और मजबूत करने पर सहमति जताई है। मनीला में आयोजित भारत-फिलीपीन आतंकरोधी संयुक्त कार्य समूह की दूसरी बैठक में दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत हर प्रकार के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत में हाल में हुए आतंकी हमलों का भी जिक्र किया। इसमें पिछले वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट की कड़ी आलोचना की गई। फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति अपनी एकजुटता और अटूट समर्थन दोहराया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहाड़े ने किया, जबकि फिलीपीन की ओर से विदेश विभाग के सहायक सचिव मार्शल लुई एम. अल्फेरेज सह-अध्यक्ष रहे।

उग्रवाद को रोकने के लिए भी विचार-विमर्श: विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में आतंकियों द्वारा उभरती तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए खुफिया और अन्य सूचनाएं साझा करने पर सहमति बनी।

कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहायता और क्षमता निर्माण में सहयोग: दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहायता और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। बैठक में कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी विचार-विमर्श हुआ।

बिहार के बाद यूपी में धमाके को तैयार चिराग पासवान, बीजेपी या सपा-बसपा, किसकी बढ़ाएंगे टेंशन

लखनऊ, एजेंसी। बिहार की राजनीति में अपनी धाक जमाने के बाद मोदी के मंत्री चिराग पासवान उत्तर प्रदेश की चुनावी बिसात पर अपना दांव खेलने के लिए तैयार हैं। राजधानी लखनऊ की सड़कों पर चिराग की पार्टी लोजपा (रामविलास) ने नए नारों के साथ पोस्टर वार भी छेड़ दिया है। यूपी में कुछ महीने बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं। चिराग की इस सक्रियता ने राजनीतिक गलियारों में यह बहस छेड़ दी है कि उनका यूपी प्रेम किसका वोट बैंक बिखेरेगा। माना जा रहा है कि सपा-बसपा के साथ ही भाजपा की टेंशन भी चिराग के एक्टिव होने से बढ़ेगी।

पोस्टर पॉलिटिक्स: 'क्यों मांगे नेता उधार, जब अपना नेता है तैयार ' : लखनऊ की सड़कों, खासकर मुख्यमंत्री आवास कालीदास मार्ग के बाहर लगे लोजपा के पोस्टरों ने सबको चौंका दिया है। पोस्टरों पर लिखा नारा 'क्यों मांगे नेता उधार, जब अपना नेता है तैयार' से सीधे तौर पर दलित समाज को एक नया विकल्प देने की कोशिश है। यह स्लोगन उन राजनीतिक दलों पर तंज माना जा रहा है जो दलितों के नाम पर राजनीति तो करते हैं, लेकिन नेतृत्व के लिए दूसरों का मुंह ताकते हैं। लोजपा (रा) के सांसद और चिराग के करीबी अरुण भारती ने हाल ही में संकेत दिए हैं कि उनकी पार्टी आगामी यूपी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है। पार्टी केवल पूर्वांचल या बिहार से सटे जिलों तक ही सीमित नहीं रहना चाहती, बल्कि पूरे प्रदेश में दलितों, वंचितों और कमजोर वर्गों की आवाज बनने की तैयारी में है। पार्टी अब बूथ स्तर पर संगठन खड़ा करने में जुटी है। अरुण भारती ने साफ कर दिया है कि हमारा लक्ष्य सत्ता की मलाई खाना नहीं, बल्कि समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है जिसका उत्पीड़न हो रहा है।

किसकी बढ़ेगी टेंशन : चिराग पासवान का यूपी में सक्रिय होना कई समीकरणों को बिगाड़ सकता है मायावती की बसपा का ग्राफ लगातार गिर रहा है। ऐसे में चिराग के सक्रिय होने से बसपा के 'कैडर वोट' में सेंध लग सकता है। अगर जाटव और गैर-जाटव दलितों को चिराग में भविष्य दिखा तो मायावती के लिए अपनी जमीन बचाना मुश्किल हो सकता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव का भी जोर पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक पर है। अखिलेश 2024 के हिट फार्मूले जरिए ही 2027 फतह करना चाहते हैं।

फडणवीस सरकार का अहम निर्णय, संतरा आयात ड्यूटी रिफंड स्कीम बंद

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र सरकार ने किसानों के लिए अहम फैसला लिया है। अब उनकी उपज और बांधों से निकलने वाले कचरे को बर्बाद नहीं होने दिया जाएगा। इस पर संशोधित नीति लाई गई है। राज्य की 6 बड़ी परियोजनाओं से प्रयोग के तौर पर गाद और रेत निकाली जाएगी। इससे बांधों का जल भंडारण बढेगा और कचरे का सही इस्तेमाल भी किया जा सकेगा। गुरुवार को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई कैबनिट की बैठक में पानी के भंडारण, संतरे की इंपोर्ट ड्यूटी रिफंड स्कीम को रद्द करने, मेडिकल शिक्षा संस्थानों की इमारतों को 50 प्रतिशत छूट के साथ ही 13 अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट की बैठक में संतरे की आयात ड्यूटी रिफंड स्कीम को रद्द करने का फैसला लिया गया है। बांग्लादेश को एक्सपोर्ट किए जाने वाले संतरे पर आयात ड्यूटी पर 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जा रही थी। यह फैसला इसलिए लिया गया है कि क्योंकि राज्य के किसानों को इस योजना का फायदा नहीं मिल रहा था। निर्णयानुसार सिंचाई परियोजनाओं के जलाशयों से गाद और गाद वाली रेत हटाने के लिए बदली हुई नीति पर अमल किया जाएगा। इससे पानी का भंडारण बढ़ेगा, किसानों को काफी गाद मिलेगी। बांधों को सुरक्षित रखा जा सकेगा।

अंबोली-वेलुंज स्ट्रीम डायवर्जन प्रोजेक्ट के लिए 49 करोड़ : नासिक जिले के अंबोली-वेलुंज स्ट्रीम डायवर्जन प्रोजेक्ट के लिए 49 करोड़ 26 लाख रुपये की मंजूरी दी गई है। कोकण के सिंधुदुर्ग और रत्नागिरी जिले के लिए सिंधुरत्न समृद्धि योजना 2.0 आगामी तीन साल के लिए लागू की जाएगी। निजी अनुदानित रहवासी हायर सेकेंडरी आश्रम स्कूलों के शिक्षकों के लिए 12 और 24 साल की नियमित सेवा के बाद चट्टोपाध्याय कमीशन के अनुसार सीनियर पे स्केल और सिलेक्शन स्केल लागू करने की मंजूरी दी गई है।

कैबिनेट के अन्य फैसले : नासिक के कुसुमाग्रज प्रतिष्ठान को शैक्षणिक वर्ष से हर साल 10 लाख रुपये के ग्रांट स्कीम के तहत फंड दिया जाएगा।नासिक रिंग रोड परियोजना के लिए आवश्यक जमीन खरीदने पर स्टाम्प ड्यूटी में रियायत देने को मंजूरी सॉइल एंड वॉटर कंजर्वेशन डिपार्टमेंट का रिवाइज्ड स्ट्रक्चर फाइनल किया गया। राज्य में लगभग 8,767 पोस्ट को मंजूरी। विभाग के लिए 6,481 और महाराष्ट्र वॉटर कंजर्वेशन कॉर्पोरेशन के लिए दो पोस्ट के अलावा 6,483 पोस्ट यानी 2,284 एक्स्ट्रा पोस्ट। पुणे मनपा को पुणे रिवर रिवाइटलाइजेशन परियोजना में मुला-मुथा नदी के विकास के लिए तीन सरकारी जमीनें मुफ्त में हस्तांरित की जाएंगी। महाराष्ट्र स्टेट शेड्यूल ट्राइब्स कमीशन एक्ट, 2025 में बदलाव को मंजूरी। महाराष्ट्र स्टेट शेड्यूल्ड कास्ट्स कमीशन एक्ट, 2025 में बदलाव को मंजूरी देकर उपाध्यक्ष का नया पद बनाया जाएगा।

नीट परीक्षा रद्द होने पर भड़के शरद पवार; कहा पहले भी हुई थीं ऐसी घटनाएं, फिर भी सरकार ने नहीं लिया सबक

मुंबई, एजेंसी। कथित पेपर लीक के आरोपों के बाद नीट-यूजी परीक्षा को रद्द किए जाने के फैसले ने देश की सियासत में भूचाल ला दिया है। विपक्ष इस मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर है। इसी कड़ी में शरद पवार ने इस पूरे मामले पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। पुणे में मीडिया से बात करते हुए वरिष्ठ नेता शरद पवार ने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाओं के बाद भी जरूरी एहतियात नहीं बरते गए, जिसका खामियाजा आज देश के लाखों होनहार छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

पहले भी हुई थीं घटनाएं, पर सरकार ने नहीं लिया सबक : नीट परीक्षा में हुई धांधली और उसे रद्द करने के फैसले पर सीधे तौर पर बोलते हुए एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो ऐसी घटनाएं पहले भी एक या दो बार हो चुकी हैं। लेकिन उन घटनाओं के सामने आने के बाद भी जो जरूरी कदम और सावधानियां बरती जानी चाहिए थीं, वे नहीं ली गईं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार की इसी ढिलाई और दूरदर्शिता की कमी के कारण आज यह स्थिति दोबारा पैदा हुई है। जिसने पूरे देश की परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं।

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त और महत्वपूर्ण निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में राजस्व प्रशासन को अधिक सक्रिय, जवाबदेह और परिणामोन्मुख बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा ने राजस्व अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर विभागीय कार्यों की गहन समीक्षा की बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व विभाग के मूल दायित्वों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए तथा नागरिकों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी।

राजस्व न्यायालयों में नियमित सुनवाई अनिवार्य: कलेक्टर ने राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी न्यायालयों में प्रतिदिन नियमित सुनवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 31 दिसंबर 2025 तक जिन प्रकरणों का निर्णय हो चुका है उनके अभिलेख तत्काल दुरुस्त कर राजस्व रिकॉर्ड को अद्यतन किया जाए ताकि रिकॉर्ड की शुद्धता और विश्वसनीयता बनी रहे।

अतिक्रमण और राजस्व वसूली पर सख्त रुख: बैठक में राजस्व वसूली कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बकाया प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है इसलिए वसूली कार्य में ठोस परिणाम दिखाई देने चाहिए अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई पर उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि से अवैध कब्जे हटाने के लिए प्रभावी और सतत अभियान चलाया जाए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संपत्तियों की सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रिकॉर्ड प्रबंधन और विकास कार्यों पर भी निर्देश: कलेक्टर ने अनुपयोगी एवं अप्रासंगिक अभिलेखों के विनष्टीकरण के लिए समिति गठित कर नियमानुसार प्रक्रिया अपनाने के निर्देश दिए ताकि रिकॉर्ड प्रबंधन अधिक व्यवस्थित हो सके औद्योगिक विकास को गति देने के लिए उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों हेतु उपयुक्त भूमि के चिन्हांकन एवं सीमांकन की कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने को कहा।

पेयजल, मानसून और उपार्जन व्यवस्था की समीक्षा: गर्मी को देखते हुए कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था की सतत निगरानी के निर्देश दिए और कहा कि किसी भी क्षेत्र में जल संकट की स्थिति न बनने पाए। आगामी मानसून को देखते हुए उन्होंने सभी एसडीएम और राजस्व अधिकारियों को तैयारियों की समीक्षा करने तथा जलभराव, सड़क क्षति और राहत प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए इसके साथ ही गेहूं उपार्जन कार्य की नियमित निगरानी करने, किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न होने देने तथा उपार्जन केंद्रों की व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर, सभी एसडीएम, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार उपस्थित रहे कलेक्टर ने अंत में कहा कि राजस्व व्यवस्था की कार्यकुशलता सीधे जनता से जुड़ी सेवाओं की गुणवत्ता तय करती है इसलिए हर स्तर पर जवाबदेही जरूरी है।

सीबीएसई बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों का कलेक्टर ने किया सम्मान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा सम्मानित किया गया आयोजित सम्मान समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं। कार्यक्रम में कक्षा 12वीं के उत्कृष्ट विद्यार्थियों में अनिका गुप्ता, आयुष द्विवेदी, प्रगति गुप्ता तथा अथर्व सिंह सेंगर को सम्मानित किया गया वहीं कक्षा 10वीं में बेहतर प्रदर्शन करने वाले समर्थ मिश्रा, सृष्टि सिंह और प्रियंका पटेल को भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर विद्यार्थियों के माता-पिता को भी सम्मानित कर उनकी भूमिका की सराहना की गई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि सफलता केवल अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं होती बल्कि यह मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का परिणाम होती है उन्होंने कहा कि जिले के इन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने यह साबित किया है कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में सीखने की जिज्ञासा बनाए रखने चुनौतियों का सामना करने और अपने ज्ञान का उपयोग समाज एवं राष्ट्र निर्माण में करने की अपील की साथ ही अभिभावकों को बच्चों की सफलता का सबसे बड़ा प्रेरणास्त्रोत बताया।

आरोह 2026 समर कैंप में बच्चों को मिल रहे आत्मरक्षा और फिटनेस के गुर, वूशु व कुश्ती प्रशिक्षण से बढ़ा उत्साह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। खेल एवं युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा आयोजित आरोह 2026 समर कैंप - खेले, सीखें, आगे बढ़ें के तहत पुलिस लाइन सामुदायिक भवन में वूशु एवं कुश्ती प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस समर कैंप में बड़ी संख्या में बालक एवं बालिकाएं भाग लेकर आत्मरक्षा, फिटनेस और खेल कौशल के महत्वपूर्ण गुर सीख रहे हैं। शिविर में प्रतिभागियों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला कोच मानिंद शेर अली खान द्वारा वूशु (मार्शल आर्ट) का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों को आत्मरक्षा तकनीक के साथ-साथ शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। वूशु और कुश्ती प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को खेलों की बारीकियों के साथ-साथ नियमित अभ्यास, संतुलित जीवनशैली और मानसिक मजबूती के महत्व के बारे में भी जानकारी दी जा रही है प्रशिक्षकों का कहना है कि यह प्रशिक्षण बच्चों को न केवल खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाएगा बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। विभाग द्वारा समर कैंप के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया भी जारी है प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद भोपाल से ऑनलाइन प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को इस शिविर से जोड़ें ताकि वे आत्मरक्षा, फिटनेस और व्यक्तित्व विकास की मजबूत नींव तैयार कर सकें। समर कैंप में वूशु और कुश्ती के साथ-साथ योग, प्राणायाम, व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मनोरंजक खेल, फिटनेस अभियान, सामाजिक जागरूकता गतिविधियां और विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है बच्चों को बेसिक से लेकर एडवांस स्तर तक प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। शिविर को लेकर बालक एवं बालिकाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है प्रतिभागी नियमित रूप से अभ्यास कर रहे हैं और आत्मरक्षा तकनीकों को सीखने में गहरी रुचि दिखा रहे हैं विभाग का उद्देश्य बच्चों को खेलों से जोड़कर उन्हें स्वस्थ, आत्मविश्वासी और अनुशासित बनाना है।

नीट-यूजी पेपर लीक के विरोध में एनएसयूआई का प्रदर्शन, भाजपा सरकार और एनटीए की निकाली अर्थी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नीट-यूजी परीक्षा में कथित पेपर लीक और घोटाले के विरोध में शुक्रवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय गेट पर जोरदार प्रदर्शन किया प्रदर्शन का नेतृत्व विश्वविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष विशुवर्धन सिंह ने किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की प्रतीकात्मक अर्थी निकालकर विरोध जताया इसके साथ ही एनटीए और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन भी किया गया। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं का आरोप था कि लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं में सामने आ रहे पेपर लीक और घोटालों ने लाखों मेहनती छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है कार्यकर्ताओं ने कहा कि वर्ष 2024 में भी नीट परीक्षा विवादों और अनियमितताओं को लेकर सवालों के घेरे में रही थी, लेकिन इसके बावजूद परीक्षा प्रणाली में सुधार नहीं किया गया। विश्वविद्यालय अध्यक्ष विशुवर्धन सिंह ने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के छात्र वर्षों तक कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं कई अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज तक लेते हैं लेकिन पेपर लीक जैसी घटनाएं मेहनती छात्रों के सपनों को तोड़ रही हैं। उन्होंने कहा यदि देश की महत्वपूर्ण परीक्षाएं भी निष्पक्ष तरीके से आयोजित नहीं हो पा रही हैं तो यह केवल परीक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं बल्कि युवाओं के भविष्य के साथ गंभीर अन्याय है। एनएसयूआई ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और सुरक्षित बनाने में पूरी तरह असफल रही है। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने और भविष्य में पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून लागू करने की मांग की प्रदर्शन के दौरान विश्वविद्यालय गेट पर बड़ी संख्या में छात्र और एनएसयूआई कार्यकर्ता मौजूद रहे कार्यकर्ताओं ने कहा कि जब तक छात्रों को निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था नहीं मिलेगी तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन के माध्यम से छात्रों ने सरकार और परीक्षा एजेंसियों से पारदर्शी व्यवस्था लागू करने तथा युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

रीवा का बढ़ा मान! पहली बार सब जूनियर बेसबॉल मध्य प्रदेश टीम में जिले के 3 खिलाड़ियों का चयन

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे रीवा के होनहार खिलाड़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के लिए यह गर्व और खुशी का क्षण है कि पहली बार सब जूनियर बेसबॉल वर्ग में जिले के तीन खिलाड़ियों का चयन मध्य प्रदेश टीम के लिए हुआ है यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और खेल प्रतिभा का परिणाम मानी जा रही है साथ ही यह रीवा जिले में खेल गतिविधियों और युवा प्रतिभाओं के लगातार बढ़ते स्तर को भी दर्शाती है। इंदौर में 9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक आयोजित सब जूनियर राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश के लगभग 20 जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन, टीम भावना और खेल कौशल का परिचय दिया इसी प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश की सब जूनियर बेसबॉल टीम का चयन किया गया। चयनित खिलाड़ियों में रीवा जिले से बालक वर्ग में आर्यन कोल तथा बालिका वर्ग में दीपिका पांडे और स्वाति पांडे को मध्य प्रदेश टीम में स्थान मिला है जिले के खेल इतिहास में यह पहली बार है जब सब जूनियर वर्ग में एक साथ तीन खिलाड़ियों का चयन प्रदेश टीम के लिए हुआ है। अब यह मध्य प्रदेश टीम 24 मई से 29 मई 2026 तक भुवनेश्वर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय सब जूनियर बेसबॉल प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। प्रतियोगिता में देशभर के विभिन्न राज्यों की टीमें भाग लेंगी जहां रीवा के खिलाड़ी मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। खेल प्रेमियों और जिलेवासियों का मानना है कि यह उपलब्धि जिले के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा खेल विशेषज्ञों का कहना है कि यदि खिलाड़ियों को इसी प्रकार प्रशिक्षण और सुविधाएं मिलती रहीं तो आने वाले समय में रीवा जिले से और भी खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर शिष्टधर शर्मा, शिवम मिश्रा, सत्यम मिश्रा तथा शशिमोल तिवारी सहित जिले के खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी हैं सभी ने उम्मीद जताई है कि खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रीवा और मध्य प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।रीवा जिले में इस उपलब्धि के बाद खेल जगत में उत्साह का माहौल है युवा खिलाड़ी भी अब बेसबॉल सहित अन्य खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

राजस्व, पुलिस एवं वन विभाग के समन्वय से कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन और वनाधिकार मामलों में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन, वनाधिकार प्रकरणों के निराकरण एवं विभागीय समन्वय को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में राजस्व, पुलिस एवं वन विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, वनमंडलाधिकारी प्रीती अहिरवार, अपर कलेक्टर बी.पी. पांडेय सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति पर नियमित एवं सतत निगरानी रखी जाए तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सभी विभागों के बीच समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सतर्कता और बेहतर तालमेल से ही शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखा जा सकता है।कलेक्टर ने पटाखा भंडारण स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर सभी भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया जाए तथा सुरक्षा मानकों की विस्तृत जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को समय रहते रोका जा सके। आपदा प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए कलेक्टर ने सभी थाना प्रभारियों एवं संबंधित अधिकारियों को थाना-वार डिजास्टर मैनेजमेंट प्लान तैयार करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा या आकस्मिक घटनाओं के समय त्वरित एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए पूर्व नियोजन आवश्यक है बैठक में संजय टाइगर रिजर्व क्षेत्र के अंतर्गत विस्थापन कार्यों की समीक्षा की गई कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिन ग्रामों में मुआवजा वितरण पूर्ण हो चुका है वहां विस्थापन प्रक्रिया को अभियान चलाकर तेजी से पूरा किया जाए। वनाधिकार प्रकरणों के निराकरण पर भी चर्चा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि आवेदन ऑफलाइन माध्यम से भी स्वीकार किए जाएं ताकि दूरस्थ क्षेत्रों के पात्र हितग्राहियों को सुविधा मिल सके उन्होंने विशेष रूप से सामुदायिक वनाधिकार दावों के प्राथमिकता आधारित निराकरण पर जोर दिया। कलेक्टर ने मादक पदार्थों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस, राजस्व और वन विभाग संयुक्त रूप से अवैध कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई करें।

मीडिया प्रतिनिधियों के लिए नि :शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि जिले के मीडिया प्रतिनिधियों के स्वास्थ्य संरक्षण को ध्यान में रखते हुए जिला चिकित्सालय सीधी में रविवार 17 मई को प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा सभी प्रतिभागियों की आवश्यक स्वास्थ्य जांच की जाएगी और चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया जाएगा कलेक्टर ने मीडिया प्रतिनिधियों से अपील की है कि वे इस शिविर में अवश्य उपस्थित हों और स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ उठाएं इस अवसर पर सहायक संचालक जनसंपर्क विभाग मुकेश मिश्रा के साथ जिले के विभिन्न मीडिया संस्थानों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर पत्रकारों को अपनी सेहत पर ध्यान देने और समय पर स्वास्थ्य जांच कराकर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने का अवसर प्रदान करते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस पर श्रमिक परिवारों के साथ विशेष आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार नगर परिषद रामपुर नैकिन में अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के अवसर पर श्रमिक परिवारों के लिए एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस आयोजन का उद्देश्य श्रमिक परिवारों के स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना था। साथ ही कार्यक्रम के माध्यम से परिवार संस्था के महत्व पर प्रकाश डाला गया कार्यक्रम का सफल आयोजन श्रम विभाग, राजस्व विभाग, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन, एलडीएम सीधी, नगर परिषद रामपुर नैकिन, स्वास्थ्य विभाग एवं शिक्षा विभाग (बीआरसी रामपुर नैकिन) के संयुक्त प्रयास से हुआ। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में प्रतिभावान श्रमिक बच्चों को सम्मानित करना रहा। इन बच्चों को पुस्तकों, स्कूल बैग और प्रेरणादायक किताबें वितरित कर शिक्षा के प्रति उत्साह और प्रोत्साहन प्रदान किया गया यह वितरण नगर परिषद के अध्यक्ष राम कुमार साहू द्वारा किया गया। बच्चों के सम्मान और शिक्षा प्रोत्साहन से कार्यक्रम में उपस्थित सभी परिवारों में सकारात्मक ऊर्जा और उत्साह देखने को मिला। साथ ही श्रमिक महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए सभी महिला हितग्राहियों को स्वास्थ्य किट और जीवनरक्षक दवाइयां प्रदान की गईं इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रमिक परिवारों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया जिससे उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य जांच और परामर्श की सुविधा प्राप्त हुई। इस पहल से परिवारों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली। एलडीएम सीधी ने इस अवसर पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया ताकि उन्हें भविष्य में सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके इस पहल से श्रमिक परिवारों को वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में बच्चों की शिक्षा, महिलाओं के स्वास्थ्य और परिवारों के सामाजिक सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया आयोजन के दौरान परिवारों को सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य संरक्षण और बच्चों की शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस तरह यह कार्यक्रम श्रमिक परिवारों के सम्मान, स्वास्थ्य सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में एक संवेदनशील और प्रेरक पहल के रूप में सामने आया कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि श्रमिक परिवार समाज का आधार हैं और उनके विकास तथा सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि भविष्य में ऐसे आयोजन नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि परिवारों में शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा की भावना और मजबूत हो।

फिर एक निर्भया त्रासदी: महिला सुरक्षा पर दिल्ली बार-बार शर्मसार

संपादकीय

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे।

देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है।

पुस्तक समीक्षा: विज्ञान

संजय गोस्वामी

अप्रैल मई-26(डॉ शिव गोपाल मिश्रा श्रद्धांजलि अंक)

विज्ञान परिषद् की स्थापना सन् 1913 ई. में हुई थी और इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में वैज्ञानिक विचारधारा का प्रचार प्रसार था। और इसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में वैज्ञानिक विचारधारा का प्रचार प्रसार था। इस दिशा में 1913 से अनवरत कार्य करने वाली इस संस्था से विज्ञान नाम की मासिक पत्रिका का प्रकाशन भी किया जाता है। जनवरी 1915 से प्रकाशन का सुझाव था। 30 जनवरी 1915 की बैठक में विज्ञान के प्रकाशन का काम मिस्टर भल्ला को दिया गया था और सम्पादन का कार्य परिषद ने स्वयं अपने हाथ में रखा था। इसका मुद्रण लीडर प्रेस से हुई थी । आज यह संस्थान सोद्देश्यपूर्ण विज्ञान तथा गणित शिक्षा के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। विज्ञान परिषद् प्रयाग हम विज्ञान लेखकों का गुरुकुल रहा है। हिंदी विज्ञान लेखन को बढ़ावा देकर परिषद् ने विगत एक शताब्दी से भी अधिक समय से समाज में वैज्ञानिक चेतना जगाने का अभूतपूर्व और अनुकरणीय काम किया यह पत्रिका सर्वप्रथम अप्रैल 1915 में प्रकाशित हुई थी और तब से आज तक अनवरत प्रकाशित रहने का इसका रेकॉर्ड रहा है। प्रो. शिवगोपाल मिश्र का जन्म 13 सितम्बर 1931 को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले की खागा तहसील के नरौली नामक गांव में हुआ था। आपके पिता बद्री विशाल मिश्र और माता पार्वती देवी थीं। छः भाइयों में आप पांचवें भाई थे। आरंभिक शिक्षा गांव तथा किशुनपुर में प्राप्त कर प्रो. शिवगोपाल मिश्र फतेहपुर से हाई स्कूल की परीक्षा 1946 में पास की और उच्च शिक्षा के लिये अपने बड़े भाई के साथ प्रयागराज आ गये। प्रो. शिवगोपाल मिश्र के. पी. इण्टर कॉलेज से 1948 में इण्टर तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय से 1950 में बी.एससी. और 1952 में मृदा विज्ञान में एम.एससी. की उपाधियां प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। 1955 में प्रो. शिवगोपाल मिश्र फॉर्मेशन ऑफ एसिडिक एण्ड एलकली सॉयल्स (द्वश्हद्धड्डह्लद्वश्ठ्ठ श्द्ध ष्द्धस्त्रद्ब ड्डठ्ठस्त्र, द्यद्मड्डद्यद्ध स्श्द्बद्यह्य) विषय पर अपना शोधकार्य पूर्ण किया और डी फिल की उपाधि प्राप्त की। प्रो. शिवगोपाल मिश्र हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से साहित्य रत्न की उपाधि भी प्राप्त की। 1956 में आप इलाहाबाद विश्वविद्यालय के रसायन विभाग में प्रवक्ता नियुक्त हुए और क्रमशः रीडर, प्रोफेसर तथा शीलाधर मृदा विज्ञान शोध संस्थान के निदेशक का दायित्व संभालते हुए 1992 में 36 वर्षों की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हुए। आपकी गणना देश के श्रेष्ठ मृदाविज्ञानियों में की जाती है। अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में आपके दो सौ से अधिक मृदा विज्ञान संबंधी शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। आपके कुशल निर्देशन में 42 शिष्यों ने डी.फिल तथा 3 शिष्यों ने डी.एससी. की उपाधियां प्राप्त की हैं और वे देश-विदेश में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। आप नेशनल एकेडेमी ऑफ साइंस, इंडिया के फैलो भी हैं। प्रो. शिवगोपाल मिश्र सी.एस.आई.आर., नई दिल्ली के प्रकाशन एवं सूचना निदेशालय (अब राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान) में वर्ष 1971-72 के दौरान विशेष कार्य अधिकारी ओ.एस.डी. के रूप में कार्य किया। वहां प्रो. शिवगोपाल मिश्र द 'वेल्थ ऑफ इण्डिया' नामक वैज्ञानिक विश्वकोश के हिन्दी अनुवाद, संपादन एवं संयोजन का कार्य अत्यंत कुशलतापूर्वक किया जिसके फलस्वरूप भारत की सम्पदा - प्राकृतिक पदार्थ के प्रथम खण्ड का प्रकाशन हुआ जिसका लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने किया। जब आप बी.एससी. के छात्र थे तभी से आपके विज्ञान लेख पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होने लगे थे। 1956 में आप विज्ञान परिषद से जुड़े और विज्ञान पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य बने। 1958 में जब विज्ञान परिषद् प्रयाग द्वारा देश की प्रथम हिन्दी शोध पत्रिका विज्ञान परिषद् अनुसंधान पत्रिका का प्रकाशन आरम्भ किया गया तो उसके संपादक डा0 सत्यप्रकाश जी ने डा0 शिवगोपाल मिश्र को इस पत्रिका का प्रबंध संपादक नियुक्त किया। तब से लेकर आज तक लगभग 65 वर्षों से आप इस दायित्व का अत्यंत कुशलता एवं निष्ठा के साथ निर्वहन कर रहे हैं। 1959 में आप विज्ञान पत्रिका के संपादक बनाए गये और प्रो. शिवगोपाल मिश्र 1971 तक, बारह वर्षों तक इसका संपादन किया। 1977 में प्रो. शिवगोपाल मिश्र विज्ञान परिषद् के प्रधानमंत्री का पद संभाला और 1987 तक प्रो. शिवगोपाल मिश्र विज्ञान परिषद् की गतिविधियों का संचालन किया।

भारत:आध्यात्मिकता ,सर्वधर्म समभाव और मानव चेतना का वैश्विक केंद्र

नागपुर के हरे माधव सत्संग 16-17 मई 2026 के कृतार्थ, वैश्विक सामग्र आध्यात्मिक विमर्श जीवन मुक्त सतगुरु बाबा ईश्वरशाह साहब जी का परम सत्य वचन- मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है वैश्विक स्तरपर पृथ्वी की इस अनंत और रहस्यमयी धरा पर यदि किसी देश को आध्यात्मिक चेतना,सर्वधर्म समभाव,मानव कल्याण और परमार्थ का जीवंत प्रतीक कहा जाए, तो वह निस्संदेह भारत है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

यह वही भूमि है जहाँ ऋषियों ने तप किया, जहाँ वेदों की ऋचाएँ गूँजीं, जहाँ बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया,जहाँ महावीर ने अहिंसा को धर्म का सर्वोच्च स्वरूप बताया, जहाँ संत कबीर ने मानवता को जाति- पंथ से ऊपर रखा और जहाँ गुरु परंपरा ने आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया। भारत केवल एक भौगोलिक राष्ट्र नहीं, बल्कि चेतना, अनुभूति और आत्मज्ञान की वह ऊर्जा है जिसने सदियों से विश्व को आध्यात्मिक प्रकाश प्रदान किया है। आधुनिक विज्ञान आज मानव मस्तिष्क की क्षमताओं पर शोध कर रहा है,किंतु भारतीय अध्यात्म हजारों वर्षों पूर्व यह बता चुका था कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति बाहरी संसार में नहीं, बल्कि उसके भीतर स्थित चेतना में निहित है। जीवन मुक्त बाबा ईश्वरशाह साहिब जी की प्रेरणा से मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि मानव जीवन का सबसे बड़ा रहस्य उसका स्वयं का मन है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यह कहा जाता है कि मनुष्य अपने मस्तिष्क की क्षमताओं का सीमित भाग ही उपयोग कर पाता है। आध्यात्मिक दृष्टि से इसका कारण आत्मज्ञान की कमी माना गया है। जब मनुष्य केवल भौतिकता, प्रतिस्पर्धा और स्वार्थ में उलझ जाता है, तब उसका मन अशांत हो जाता है और उसकी आंतरिक ऊर्जा बिखर जाती है। भारतीय ध्यान परंपरा कहती है कि यदि व्यक्ति कुछ समय मन और हृदयपूर्वक ध्यान में बैठे,तो उसका मस्तिष्क तंत्र अत्यंत सक्रिय और संतुलित हो सकता है। ध्यान केवल आँखें बंद करना नहीं, बल्कि अपने भीतर उतरने की वह प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति स्वयं को समझना प्रारंभ करता है। यही कारण है कि आज विश्व के बड़े-बड़े कॉर्पोरेट संस्थान,वैज्ञानिक और चिकित्सक भी मेडिटेशन और योग को मानसिक स्वास्थ्य तथा कार्यक्षमता के लिए आवश्यक मानने लगे हैं। योग और ध्यान की भारतीय परंपरा आज वैश्विक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी है।आध्यात्मिकता का सबसे सुंदर पक्ष यह है कि वह मनुष्य को जोड़ती है,तोड़ती नहीं। प्रकृति स्वयं हमें यह शिक्षा देती है। यदि किसी झुंड से एक प्राणी को दूर ले जाकर कहीं और छोड़ दिया जाए, तो वह अंततः वहीं पहुँचने का प्रयास करेगा जहाँ उसके समान विचारों और ऊर्जा वाले प्राणी हों। यह केवल पशु व्यवहार नहीं, बल्कि जीवन का गहन दार्शनिक सत्य है। मनुष्य भी उसी वातावरण में सबसे अधिक विकसित होता है जहाँ प्रेम, सकारात्मकता, सेवा,करुणा और परमार्थ का भाव हो। इसलिए संत-महापुरुष हमेशा सत्संग, संगति और सामूहिक चेतना के महत्व पर बल देते आए हैं। सत्संग शब्द ही अपने भीतर गहरी आध्यात्मिक अनुभूति समेटे हुए है,अर्थात सत्य के साथ संगति। जब व्यक्ति संतों के वचनों, भजनों, ध्यान और सेवा से जुड़ता है, तब उसका मन धीरे-धीरे विकारों से सटीकता से मुक्त होने लगता है। साथियों बात अगर हम भारत की इसी महान संत परंपरा में कटनी की पावन धरा को जानने की करें तो वहाँ पर स्थित बाबा माधवशाह-बाबा नारायणशाह दरबार आध्यात्मिक चेतना का एक अद्भुत केंद्र बन चुका है।

ऊर्जा संकट में सरकार बनी ढाल

हिफी

वैश्विक युद्ध और होर्मुज संकट का असर आज पूरी दुनिया महसूस कर रही है। युद्ध की लपटें केवल सीमाओं तक सीमित नहीं हैं, उनका असर हर घर की रसोई, हर वाहन के पहिए और हर परिवार के बजट तक पहुंच चुका है। कई देशों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें इतिहास के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगीं, महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी और सरकारें अपने नागरिकों के गुस्से का सामना करने को मजबूर हो गईं। लेकिन इसी उथल-पुथल के बीच आज युद्ध के लगभग 11 सप्ताह बीतने पर भी भारत में जीवन की सामान्य गति बनी रही, करोड़ों परिवारों के चूल्हे जलते रहे, गाड़ियां चलती रहीं। यह अपने आप नहीं हुआ। इसके पीछे एक ऐसी नीति, ऐसी तैयारी और ऐसी संवेदनशील सोच थी जिसने वैश्विक तूफान के सामने भारत के नागरिकों को ढाल बनकर संरक्षण दिया। जब दुनिया ऊर्जा संकट की आग में झुलस रही थी, तब मोदी सरकार एक संरक्षक की तरह अपने नागरिकों के साथ खड़ी रही। जैसे द्वापर में भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों को बचाया था, वैसे ही इस कठिन समय में सरकार ने बढ़ती वैश्विक कीमतों और आर्थिक दबाव का बड़ा हिस्सा स्वयं अपने ऊपर उठाया, ताकि उसका बोझ सीधे जनता की थाली, रसोई और जेब तक न पहुंचे। यही कारण है कि आज यह संकट केवल आर्थिक प्रबंधन की कहानी नहीं, बल्कि संवेदनशील शासन, दूरदर्शी नेतृत्व और नागरिकों के प्रति उत्तरदायित्व की मिसाल बन चुका है। दुनिया भर में बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे जनता पर डाल देना सबसे आसान रास्ता था और कई देशों ने ऐसा ही किया, लेकिन भारत ने यह रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने स्वयं भारी आर्थिक दबाव सहा ताकि आम आदमी की रसोई और रोजमर्रा की जिंदगी पर कम से कम असर पड़े। सरकार ने लगभग पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का भार वहन किया। 28 फरवरी के बाद से वैश्विक स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। यूरोप और एशिया के कई देशों में पेट्रोल 30 से लेकर 35 प्रतिशत तक महंगा हुआ, जबकि भारत में कोई बदलाव नहीं किया गया। हांगकांग में आज पेट्रोल सबसे महंगा है। वहाँ एक लीटर की कीमत लगभग 295 रुपये पहुंच गई है, जो 28 फरवरी के बाद 25 प्रतिशत बढ़ी है। सिंगापुर में दाम 30 प्रतिशत बढ़कर करीब 240 रुपये प्रति लीटर हो गया है। नीदरलैंड में पेट्रोल 225 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है, जो 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। युद्धग्रस्त इजराइल में पेट्रोल 30 प्रतिशत महंगा होकर 185 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं भारत में अब भी पेट्रोल की कीमत 95 रुपये प्रति लीटर है। प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ का घाटा उठाना कोई साधारण बात नहीं है। अब तक लगभग 68,000 करोड़ का बोझ सरकार और तेल कंपनियों ने अपने ऊपर लिया है। यह आंकड़ा उस संवेदनशील सोच का प्रमाण है जिसमें मोदी सरकार ने पहले नागरिकों की चिंता की और बाद में अपने खजाने की। सोचिए, यदि यही संकट बिना तैयारी के आया होता तो क्या स्थिति होती? रसोई गैस महंगी होती, परिवहन लागत बढ़ती, महंगाई हर घर तक पहुंचती और मध्यम वर्ग से लेकर गरीब तक का बजट डगमगा जाता। लेकिन साल 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आते ही स्थितियां बदलनी शुरू हुईं। पिछले वर्षों में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर जो दूरदर्शी तैयारी की गई, वही आज देश की ढाल बनकर खड़ी है। तेल भंडार तैयार किए गए, एथनॉल ब्लेंडिंग बढ़ाई गई, वैकल्पिक ईंधन नेटवर्क विकसित हुआ और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार शुरू हुआ। वैकल्पिक ईंधन के माध्यम से एलपीजी की मांग को 70 से 75 हजार टन प्रति दिन कम किया गया। यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि पीएनजी, मिट्टी का तेल, ईंधन तेल और बायोमास की वैकल्पिक अवसंरचना संकट से पहले से तैयार थी। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत ही ऐसा देश है जो 30-दिवसीय एलपीजी भंडार की योजना बना रहा है। इस युद्ध से उत्पन्न संकट से पता चलता है ये हमारी आज की आवश्यकता है। आज भारत के पास 5.33 मिलियन टन का रणनीतिक तेल भंडार है और दूसरे चरण के तहत चंडीखोल, पादुर और बीकानेर में अतिरिक्त भंडारण क्षमता तैयार की जा रही है। यह केवल परियोजनाएं नहीं हैं, बल्कि भविष्य के संकटों से देशवासियों को सुरक्षित रखने की तैयारी है। एथनॉल मिश्रण की नीति ने भी इस कठिन समय में देश को बड़ी राहत दी। 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग के कारण भारत विदेशी मुद्रा की भारी बचत कर पा रहा है। संकट के दौरान वैकल्पिक ईंधन व्यवस्था के जरिए एलपीजी की मांग में प्रतिदिन 70 से 75 हजार टन तक कमी लाई गई। ये कदम बताते हैं कि सरकार ने केवल आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले वर्षों के लिए भी सुरक्षा का रास्ता तैयार किया है। युद्ध अब भी जारी है। आने वाले समय में कठिन फैसले लेने पड़ सकते हैं। लेकिन देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि जब पूरी दुनिया दबाव में थी, तब भारत सरकार ने अपने नागरिकों को अकेला नहीं छोड़ा। उसने एक अभिभावक की तरह जिम्मेदारी निभाई। सरकारें केवल योजनाओं और घोषणाओं से बड़ी नहीं बनतीं, बल्कि कठिन समय में अपने लोगों के साथ खड़े होने से बड़ी बनती हैं। इस वैश्विक संकट के दौर में भारत ने यही करके दिखाया है। यही कारण है कि आज देश का आम नागरिक सिर्फ राहत महसूस नहीं कर रहा, बल्कि उसके मन में यह भरोसा भी मजबूत हुआ है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, देश उसके साथ खड़ा है। हालांकि यह संकट अभी पूरी तरह टला नहीं है। समय की मांग यह भी है कि देश के नागरिक भी आने वाली चुनौतियों के प्रति सजग, संयमित और तैयार रहें। नागरिकों का कर्त्तव्य है कि ऊर्जा का इस्तेमाल किफायत से करें। वैशिवक संकट के बीच ढाल बनी भारत सरकार का धैर्यपूर्वक साथ दें।

राष्ट्रहित पर राजनीति और कांग्रेस की दोहरी मानसिकता

भारत के राजनीतिक इतिहास में ऐसे कई अवसर आए हैं जब देश ने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और जनता ने अपने नेतृत्व पर भरोसा करते हुए त्याग किया। आज जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक युद्ध संकट, बढ़ती तेल कीमतों और विदेशी मुद्रा पर पड़ रहे दबाव को देखते हुए देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की बचत करने, सोने की खरीद कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राएं टालने की अपील की, तब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी इसे सरकार की विफलता बताने लगे। यह वही कांग्रेस है जो अपने इतिहास के सबसे बड़े उदाहरणों को भी भूल चुकी है। देश को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत ने संकट के समय हमेशा सामूहिक त्याग और अनुशासन के बल पर विजय प्राप्त की है।

कांतिलाल मांडोत

वर्ष 1965 में जब देश खाद्यान्न संकट से जूझ रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से सप्ताह में एक दिन उपवास रखने की अपील की थी। उस समय अमेरिका भारत को शर्तों के साथ अनाज देने को तैयार था, लेकिन शास्त्री जी ने इसे देश के स्वाभिमान के खिलाफ माना। उन्होंने पहले अपने परिवार पर प्रयोग किया और फिर पूरे देश से कहा कि एक समय भोजन छोड़कर राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें। उस दौर में जनता ने बिना सवाल किए इस अपील को स्वीकार किया। गांवों से लेकर शहरों तक लोगों ने एक वक्त का भोजन त्याग दिया ताकि देश विदेशी दबाव के सामने झुके नहीं। यह घटना केवल इतिहास नहीं बल्कि भारतीय समाज की राष्ट्रभक्ति और अनुशासन का सबसे बड़ा प्रमाण है। उस समय कांग्रेस के नेताओं और विपक्ष ने इसे 'विफलता' नहीं कहा था। किसी ने यह आरोप नहीं लगाया था कि प्रधानमंत्री जनता पर बोझ डाल रहे हैं। क्योंकि उस समय राजनीति से ऊपर राष्ट्रहित था। लेकिन आज कांग्रेस की राजनीति इतनी संकुचित हो चुकी है कि यदि देशहित में कोई अपील की जाती है तो उसे भी राजनीतिक चश्मे से देखा जाता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जो अपीलें की हैं, उनका उद्देश्य किसी पर बोझ डालना नहीं बल्कि वैश्विक संकट से देश को सुरक्षित रखना है। दुनिया इस समय युद्ध और आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रही है। पश्चिम एशिया में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में यदि प्रधानमंत्री लोगों से ईंधन की बचत करने, कारपूलिंग अपनाने, मेट्रो का उपयोग बढ़ाने और प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने की बात करते हैं तो यह दूरदर्शिता है, विफलता नहीं। कांग्रेस की समस्या यह है कि वह हर राष्ट्रीय मुद्दे में केवल राजनीतिक लाभ खोजती है। जब देश आत्मनिर्भर

भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब कांग्रेस उसे रोकने का प्रयास करती दिखाई देती है। मोदी सरकार ने पिछले वर्षों में भारत को जिस ऊंचाई तक पहुंचाया है, वह पूरी दुनिया देख रही है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। देश डिजिटल क्रांति में अग्रणी बन चुका है। करोड़ों गरीबों के बैंक खाते खुले, गांवों तक बिजली पहुंची, मुफ्त राशन योजना से गरीबों को सुरक्षा मिली और भारत वैश्विक मंचों पर मजबूत आवाज बनकर उभरा।

कांग्रेस के शासनकाल में भारत को हर छोटे संकट में विदेशी संस्थाओं और देशों के सामने झुकना पड़ता था। कभी अमेरिका के दबाव में निर्णय लिए जाते थे तो कभी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की शर्तों पर देश की नीतियां तय होती थीं। लेकिन आज भारत दुनिया को आंखों में आंखें डालकर जवाब देता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भरता की बात करते हैं। वे चाहते हैं कि भारत विदेशी निर्भरता कम करे और अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाए।

सोने के आयात को कम करने की अपील भी इसी सोच का हिस्सा है। भारत हर वर्ष भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा सोने के आयात पर खर्च करता है। यदि संकट के समय कुछ समय के लिए संयम बरता जाए तो उससे देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है। इसी तरह पेट्रोल और डीजल की बचत केवल आर्थिक नहीं बल्कि पर्यावरणीय आवश्यकता भी है। दुनिया के विकसित देश भी ऊर्जा बचत के लिए जनता से अपील करते हैं। लेकिन भारत में कांग्रेस हर सकारात्मक प्रयास का मजाक उड़ाने लगती है।

राहुल गांधी का यह कहना कि 'देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं' वास्तव में उनकी राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। जनता जानती है कि मोदी सरकार ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को मजबूत बनाया है। कोरोना महामारी के समय भारत ने न केवल अपने नागरिकों को वैक्सीन दी बल्कि दुनिया के कई देशों की मदद भी की। सीमाओं पर भारत की ताकत बढ़ी है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आई है। अंतरिक्ष से लेकर तकनीक तक भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह सब किसी कमजोर नेतृत्व में संभव नहीं होता। सच्चाई यह है कि कांग्रेस आज भी पुराने राजनीतिक ढर्रे से बाहर नहीं निकल पाई है। उसे लगता है कि केवल आलोचना करके जनता का समर्थन मिल जाएगा। लेकिन देश अब बदल चुका है। जनता समझती है कि राष्ट्रहित में कभी-कभी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। जिस तरह लालबहादुर शास्त्री की अपील को देश ने स्वीकार किया था, उसी तरह आज भी लोग समझते हैं कि संकट के समय देश के साथ खड़ा होना आवश्यक है। विडंबना यह है कि कांग्रेस अपने ही नेताओं की विरासत भूल चुकी है। यदि शास्त्री जी आज जीवित होते तो शायद कांग्रेस उन्हें भी 'विफल प्रधानमंत्री' कह देती। क्योंकि आज की कांग्रेस का उद्देश्य राष्ट्रहित नहीं बल्कि केवल सत्ता प्राप्ति रह गया है। वह हर उस कदम का विरोध करती है जिससे भारत मजबूत बनता है। भारत आज जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा है। दुनिया भारत को नई आशा के रूप में देख रही है। वैश्विक संस्थाएं भारत की आर्थिक क्षमता की सराहना कर रही हैं। विदेशी निवेश लगातार बढ़ रहा है। भारतीय तकनीक, उद्योग और युवाशक्ति दुनिया में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे समय में देश को नकारात्मक राजनीति नहीं बल्कि सकारात्मक सोच की आवश्यकता है। राष्ट्र निर्माण केवल सरकार का काम नहीं होता। उसमें जनता की भी भूमिका होती है। यदि देशहित में कुछ समय के लिए संयम बरतने की अपील की जाती है तो उसे राजनीति का मुद्दा बनाने के बजाय राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए।

मनेंद्रगढ़ को मिली बड़ी न्यायिक सौगात, कुटुंब न्यायालय भवन और आवासीय कॉलोनी का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ जिले को न्यायिक क्षेत्र में बड़ी सौगात मिली छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने सिविल कोर्ट परिसर मनेंद्रगढ़ में बनने वाले नवीन कुटुंब न्यायालय भवन तथा जनकपुर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए प्रस्तावित आवासीय कॉलोनी का वर्चुअल माध्यम से भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया इस अवसर पर न्यायपालिका और प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश सिन्हा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी न्यायिक जिलों में आधुनिक और सुदृढ़ न्यायिक अधोसंरचना विकसित करना प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण न्यायिक भवन, आधुनिक सुविधाएं और कर्मचारियों के लिए बेहतर आवास न्याय व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आम जनता को त्वरित, पारदर्शी और बेहतर न्यायिक सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यह सप्ताह विभिन्न न्यायिक परियोजनाओं के भूमिपूजन और शिलान्यास के लिए महत्वपूर्ण रहा है राज्यभर में आधुनिक न्यायिक अधोसंरचना विकसित करने का कार्य तेजी से चल रहा है उन्होंने उम्मीद जताई कि मनेंद्रगढ़ में बनने वाला कुटुंब न्यायालय भवन और जनकपुर की आवासीय कॉलोनी निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ तैयार की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश ने अपने उद्बोधन में कहा कि न्याय वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाने में बेहतर आधारभूत संरचना की महत्वपूर्ण भूमिका होती है आधुनिक न्यायालय भवनों और सुविधाओं के विस्तार से न्यायिक प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और सुगम बनेगी उन्होंने कहा कि न्यायपालिका का उद्देश्य केवल मामलों का निपटारा करना नहीं, बल्कि आम नागरिकों को सम्मानजनक और सहज न्यायिक वातावरण प्रदान करना भी है। कार्यक्रम में पार्थ प्रतीम साहू, न्यायाधीश छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं पोर्टफोलियो न्यायाधीश जिला कोरिया की वर्चुअल माध्यम से विशेष उपस्थिति रही वहीं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बैकुंठपुर ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। जनकपुर में न्यायिक कर्मचारियों के लिए बनने वाली आवासीय कॉलोनी को न्यायिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है इससे कर्मचारियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलेंगी और उनकी कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी अधिकारियों का मानना है कि न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होने से न्यायिक कार्यों के संचालन में तेजी आएगी। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय मनेंद्रगढ़ द्वारा आभार व्यक्त किया गया जबकि कार्यक्रम का संचालन न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बैकुंठपुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सिविल जिला कोरिया के न्यायिक अधिकारीगण, कलेक्टर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय दंडाधिकारी, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन अभियंता, जिला अधिवक्ता संघ मनेंद्रगढ़ एवं बैकुंठपुर के पदाधिकारी, अधिवक्तागण, पत्रकार और न्यायिक कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह परियोजना जिले की न्यायिक व्यवस्था को आधुनिक और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

भीषण गर्मी में प्रशासन बना राहत का सहारा: हैंडपंप सुधार से ग्रामीणों को मिली पेयजल सुविधा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते जल संकट के बीच लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार सक्रिय नजर आ रहा है जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत लालपुर में विभागीय टीम द्वारा बंद और खराब पड़े हैंडपंपों की मरम्मत, निरीक्षण एवं सुधार कार्य किया गया, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। गर्मी के मौसम में पेयजल समस्या को गंभीरता से लेते हुए विभाग द्वारा जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत खराब हैंडपंपों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर सुधार कार्य किया जा रहा है ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वच्छ और सुचारु पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। ग्राम पंचायत लालपुर में लंबे समय से कुछ हैंडपंप खराब होने के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा था कई परिवारों को दूर-दराज के जल स्रोतों से पानी लाना पड़ता था। विभागीय टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए हैंडपंपों की मरम्मत और तकनीकी सुधार कार्य पूरा किया गया इसके बाद गांव में पेयजल आपूर्ति सामान्य हो गई है और ग्रामीणों को अब पानी के लिए भटकना नहीं पड़ रहा है लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए जिलेभर में हैंडपंप सुधार कार्य लगातार जारी है। विभाग की टीमों को गांव-गांव भेजकर पेयजल स्रोतों की निगरानी की जा रही है। जहां कहीं भी खराबी की सूचना मिल रही है वहां तत्काल तकनीकी दल भेजकर मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है इसी उद्देश्य से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी गांव में पेयजल संकट की स्थिति न बने।

जनता की हर आवाज सुनेगा प्रशासन: 1076 सीएम हेल्पलाइन पर अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में सुशासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 एवं शिकायत प्रबंधन प्रणाली पर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ स्थित अमृत सदन सभाकक्ष में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, एसडीएम लिंगराज सिदार, मास्टर ट्रेनर एवं विषय विशेषज्ञ अशोक चौबे तथा पवन तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को बताया गया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 शासन की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य नागरिकों की शिकायतों का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है नागरिक हेल्पलाइन नंबर, वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, व्हाट्सऐप और भौतिक आवेदन के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। प्रत्येक शिकायत को 12 अंकों का यूनिक टोकन नंबर दिया जाएगा जिसके माध्यम से शिकायतकर्ता ऑनलाइन अपनी शिकायत की स्थिति देख सकेगा शिकायत समाधान के बाद नागरिकों से फीडबैक भी लिया जाएगा। यदि शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं होगा तो शिकायत स्वतः अगले स्तर के अधिकारी के पास पहुंच जाएगी। प्रशिक्षण में अधिकारियों को 'स्वतः एस्केलेशन प्रणाली' की विस्तृत जानकारी दी गई। शिकायत निवारण के लिए चार स्तर निर्धारित किए गए हैं। स्तर ब्लॉक एवं क्षेत्रीय स्तर, Lw जिला स्तर, Lx संभाग एवं निदेशालय स्तर तथा Ly सचिव एवं विभागाध्यक्ष स्तर का होगा। प्रत्येक स्तर के लिए समय-सीमा भी तय की गई है ब्लॉक स्तर पर 7 से 10 दिन जिला स्तर पर 10 से 14 दिन तथा राज्य स्तर पर 14 से 21 दिन में शिकायतों का समाधान करना होगा। निर्धारित समय में निराकरण नहीं होने पर शिकायत स्वतः अगले स्तर पर भेज दी जाएगी। मास्टर ट्रेनर अशोक चौबे ने बताया कि शिकायतों की निगरानी के लिए आधुनिक डैशबोर्ड तैयार किया गया है जिसमें लंबित शिकायतें, समय-सीमा से बाहर के मामले, विभागवार प्रदर्शन और निराकृत शिकायतों की जानकारी रियल टाइम में उपलब्ध रहेगी। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को पोर्टल की तकनीकी प्रक्रिया, शिकायत संपादन, प्रतिवेदन अपलोड, स्पेशल क्लोजर और ऑनलाइन मॉनिटरिंग का लाइव प्रदर्शन भी कराया गया। कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन शासन और जनता के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी बनेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए तय समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करें।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की बड़ी पहल: कलेक्टर ने समाप्त किया शिक्षकों का संलग्नीकरण, 18 शिक्षक लौटे मूल पदस्थापना पर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और स्कूलों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगडे ने बड़ा प्रशासनिक निर्णय लिया है। वर्ष 2025-26 के परीक्षा परिणामों की समीक्षा और स्कूलों में शिक्षकों की कमी को देखते हुए प्रशासन ने पूर्व में किए गए संलग्नीकरण को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया है।

पदस्थापना पर लौटे 18 शिक्षक: जारी आदेश के तहत विभिन्न कार्यालयों और अन्य कार्यों में संलग्न शिक्षकों, व्याख्याताओं, सहायक शिक्षकों एवं प्रधानपाठकों को उनके मूल पदस्थापना स्थल पर वापस भेजा गया हैप्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले के विकासखंड मनेंद्रगढ़, खड़गवां और भरतपुर में अब शिक्षक केवल शिक्षकीय कार्यों में ही संलग्न रहेंगे। उनका अन्य कार्यालयीन कार्य करने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। इसका उद्देश्य विद्यालयों में नियमित शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित करना और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: जिले में इस प्रशासनिक निर्णय को शिक्षा व्यवस्था सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। अभिभावकों और ग्रामीणों ने प्रशासन के इस कदम का स्वागत किया है और उम्मीद जताई है कि इससे स्कूलों में पढ़ाई का स्तर बेहतर होगा विशेषज्ञों का कहना है कि शिक्षक जब अपने मूल कार्य में पूरी तरह संलग्न होंगे तो विद्यार्थियों को नियमित शिक्षण का लाभ मिलेगा और परीक्षा परिणामों में भी सुधार संभव होगा प्रशासन की अपील कलेक्टर ने अभिभावकों और ग्रामीणों से अपील की है कि वे विद्यालयों और शिक्षकों के कार्य में सहयोग करें। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि बच्चे नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित हों और शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में प्रशासन का सहयोग दें।

इस आदेश के तहत लौटने वाले शिक्षकों में प्रमुख नाम इस प्रकार हैं: पारसमणि, व्याख्याता, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेंद्रगढ़
टी. विजय गोपाल राव, व्याख्याता, शासकीय कन्या उमावि मनेंद्रगढ़
मनीषा तिवारी, व्याख्याता, हाई स्कूल छिपछिपी
गणेश प्रसाद यादव, शिक्षक, शासकीय माध्यमिक शाला खोंगापानी
सूर्योदय सिंह, शिक्षक, माध्यमिक शाला भौता
कलेश्वर पैकरा, शिक्षक, माध्यमिक शाला सेंधा
खुशबू दास, शिक्षक, प्राथमिक शाला कलमडाड़
रणधीर ठाकुर, व्यायाम शिक्षक, उच्च माध्यमिक विद्यालय देवाडांड
सुशील शर्मा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक शाला ढुलकू
विरेंद्र पाण्डेय, शिक्षक, शासकीय माध्यमिक शाला नागपुर
जशवंत कुमार, व्याख्याता, शासकीय कन्या उमावि मनेंद्रगढ़
उमेश पाण्डेय, शिक्षक, माध्यमिक शाला हर्रई
अनिल पटेल, शिक्षक, माध्यमिक शाला पूजी
आदर्शनाथ तिवारी, प्रधानपाठक, शासकीय प्राथमिक शाला डोंगरिटोला
विजय पाण्डेय, शिक्षक, माध्यमिक शाला देवाडांड
सुजीत साहू, प्रधानपाठक, शासकीय प्राथमिक शाला लकरापारा
राजकुमार नामदेव, सहायक शिक्षक, विकासखंड साक्षरता (उल्लास)
विनोद पाण्डेय, व्याख्याता, हाईस्कूल पिपरिया
शिक्षकों को अन्य कार्यालयीन कार्यों में नहीं रखा जाएगा।

जिला प्रशासन का सख्त निर्देश, केवल वाहनों को मिलेगा पेट्रोल-डीजल, अवैध कारोबार पर होगी कड़ी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में ईंधन की जमाखोरी रोकने और आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी कार्यालय ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं अपर कलेक्टर अनिल सिदार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को सख्त नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा।

केवल वाहनों को ही मिलेगा ईंधन: जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पेट्रोल और डीजल केवल वाहनों में ही दिया जाएगा खुले बर्तनों, जरिकेन या किसी भी अन्य अवैध माध्यम से ईंधन देने पर पाबंदी रहेगी। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आवश्यक सेवाओं के लिए रिजर्व स्टॉक अनिवार्य: एम्बुलेंस, शासकीय वाहनों और सुरक्षा बलों के वाहनों के लिए ईंधन की कोई कमी नहीं होनी चाहिए सभी पेट्रोल पंपों को पर्याप्त रिजर्व स्टॉक रखना अनिवार्य है ताकि आवश्यक सेवाओं में व्यवधान न आए।

दैनिक स्टॉक रिपोर्टिंग अनिवार्य: पेट्रोल पंप संचालकों को अपने दैनिक स्टॉक की जानकारी जिला कार्यालय की खाद्य शाखा को भेजना अनिवार्य किया गया है यदि किसी पंप पर प्रतिदिन की औसत बिक्री के अनुसार दो दिन से कम का स्टॉक बचता है तो इसकी सूचना तुरंत जिला प्रशासन को देनी होगी नए स्टॉक के लिए लोड बुकिंग की जानकारी भी लगातार खाद्य शाखा को भेजनी होगी।

जिले में वर्तमान स्टॉक की स्थिति: प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जिले में ईंधन और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है।

अवैध कारोबार पर कड़ी कार्रवाई: जिला प्रशासन गैस सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल के अवैध कारोबार पर कड़ी नजर रख रहा है यदि कोई व्यक्ति या पंप संचालक ईंधन की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और संबंधित नियंत्रण आदेशों के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार के अवैध ईंधन कारोबार में शामिल न हों और आवश्यक सेवाओं के सुचारू संचालन में सहयोग करें।

वर्तमान में स्टॉक इस प्रकार है
पेट्रोल: 1,91,684 लीटर।
डीजल: 1,93,700 लीटर।
घरेलू गैस सिलेंडर (LPG): 1,572 नग।

ठग की तलाश में छत से घर में घुसी पुलिस, करेरा में दबिश का CCTV वायरल, एसडीओपी बोले- विभाग को बदनाम करने की कोशिश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के करेरा कस्बे में साइबर ठगी के एक फरार आरोपी की तलाश में पहुंची पिछोर थाना पुलिस का एक सीसीटीवी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है इस वीडियो में पुलिसकर्मी सीढ़ी लगाकर एक मकान की छत पर चढ़ते हुए दिखाई दे रहे हैं वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने इस मामले पर अपना पक्ष रखा है। आज (शुक्रवार) पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा ने बताया कि यह वायरल वीडियो करेरा क्षेत्र का है। पुलिस साइबर ठगी के मामले में फरार आरोपी दशरथ लोधी की तलाश में दबिश देने पहुंची थी पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी देवेंद्र लोधी के मकान में छिपा है पुलिस ने काफी देर तक मकान का गेट खुलवाने का प्रयास किया लेकिन गेट नहीं खोला गया। पुलिस का कहना है कि वीडियो वायरल कर विभाग को बदनाम करने की कोशिश की गई है पुलिस का कहना है कि वीडियो वायरल कर विभाग को बदनाम करने की कोशिश की गई है सीढ़ी लगाकर मकान में पहुंची पुलिस इसके बाद आमजन की मदद से सीढ़ी लगाकर पुलिस मकान के अंदर पहुंचने का प्रयास कर रही थी एसडीओपी ने स्पष्ट किया कि वीडियो में पुलिस द्वारा किसी के साथ अभद्रता या मारपीट नहीं की गई है हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया था एसडीओपी शर्मा ने आरोप लगाया कि मकान मालिक देवेंद्र लोधी ने अपने घर के सीसीटीवी फुटेज वायरल कर पुलिस विभाग को बदनाम करने का प्रयास किया है। जानकारी के अनुसार पिछोर पुलिस ने 15 मार्च को कछौआ के जंगल से साइबर ठगी गिरोह के तीन आरोपियों चंद्रशेखर लोधी ठाकुर लोधी और भोला लोधी को गिरफ्तार किया था। पुलिस के मुताबिक ये आरोपी फर्जी मोबाइल सिम और नकली अरेस्ट वारंट का इस्तेमाल कर खुद को पुलिस अधिकारी बताते थे और 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर लोगों से ठगी करते थे। इसी मामले में दशरथ लोधी को भी आरोपी बनाया गया था जो तभी से फरार चल रहा है पुलिस उसकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है इसी क्रम में पुलिस करेरा स्थित देवेंद्र लोधी के मकान पर पहुंची थी बताया जा रहा है कि देवेंद्र लोधी की कुछ साल पहले तक आर्थिक स्थिति सामान्य थी लेकिन कम समय में उसने मकान और अन्य संपत्तियां खड़ी कर ली हैं।

कमजोर परीक्षा परिणाम पर कलेक्टर का सख्त एक्शन: अनुपस्थित प्राचार्यों को नोटिस, पूरक छात्रों के लिए विशेष रणनीति तैयार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में शिक्षा व्यवस्था को सुधारने और बोर्ड परीक्षा परिणामों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की मैराथन समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े ने की बैठक में बोर्ड परीक्षा परिणाम, पूरक परीक्षा की तैयारी विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षकों की जवाबदेही और आगामी शिक्षा सत्र की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अनिल सिदार, जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. मीरे सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, बीईओ, बीआरसी और विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे। विद्यालयवार परीक्षा परिणामों की समीक्षा के दौरान कई स्कूलों के कमजोर प्रदर्शन पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी जताई उन्होंने स्पष्ट कहा कि बच्चों के भविष्य से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उन्होंने शिक्षकों से केवल नौकरी नहीं बल्कि प्रत्येक बच्चे के भविष्य निर्माण की जिम्मेदारी निभाने की अपील की। हाई स्कूल बड़वाही, रौंक, सेमरिहा, तिलौली तथा हायर सेकेंडरी स्कूल देवगढ़, भरतपुर, कुवारपुर और कोटाडोल सहित कमजोर परिणाम वाले विद्यालयों पर विशेष चर्चा हुई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विद्यालय का विषयवार विश्लेषण किया जाए और असफलता के कारणों की पहचान कर सुधारात्मक योजना बनाई जाए।

पूरक छात्रों के लिए विशेष तैयारी: बैठक में पूरक और अवसर परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए विशेष रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि एक भी छात्र परीक्षा से वंचित नहीं रहना चाहिए। 18 मई से विशेष कक्षाएं नियमित टेस्ट और होमवर्क आधारित अध्ययन व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए गए। गणित, विज्ञान और संस्कृत जैसे विषयों में कमजोर विद्यार्थियों के लिए 'ब्रिज कोर्स' संचालित करने के निर्देश भी दिए गए उन्होंने कहा कि बच्चों की पढ़ाई केवल परीक्षा के समय नहीं, बल्कि पूरे वर्ष नियमित रूप से होनी चाहिए।

अनुपस्थित प्राचार्यों पर कार्रवाई: बैठक में अनुपस्थित रहने वाले प्राचार्यों पर भी प्रशासन का सख्त रुख देखने को मिला जो प्राचार्य स्वयं उपस्थित होने के बजाय प्रतिनिधि भेजकर बैठक में शामिल हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि इतनी महत्वपूर्ण बैठक में अनुपस्थित रहना गंभीर लापरवाही है।

नई लेदरी सहित पांच क्षेत्रों की जमीनों का होगा भू-सर्वेक्षण, अपडेट होंगे राजस्व रिकॉर्ड

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में असर्वेक्षित भूमि के रिकॉर्ड को व्यवस्थित करने और राजस्व अभिलेखों को अद्यतन करने की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है कलेक्टर कार्यालय की भू-अभिलेख शाखा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार तहसील मनेंद्रगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में जल्द ही भू-सर्वेक्षण कार्य प्रारंभ किया जाएगा। जारी आदेश के अनुसार छत्तीसगढ़ शासन राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के तहत मनेंद्रगढ़ पटवारी हल्का नंबर 16 अंतर्गत ग्राम नई लेदरी तथा पटवारी हल्का नंबर 15 के ग्राम तेंदूडांड, गिद्धडांड, झगराखांड एवं हसदेव नदी सीमा क्षेत्र के मध्य स्थित असर्वेक्षित भूमि का सर्वेक्षण किया जाएगा प्रशासन ने इसके लिए विभागीय स्तर पर विशेष सर्वेक्षण दल का गठन किया है सर्वेक्षण दल संबंधित क्षेत्रों में पहुंचकर सीमांकन, अभिलेख सत्यापन और तकनीकी परीक्षण का कार्य करेगा। राजस्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस प्रक्रिया के दौरान भूमि की वास्तविक स्थिति का परीक्षण कर राजस्व रिकॉर्ड को अपडेट किया जाएगा। प्रशासन ने बताया कि सर्वेक्षण से जुड़ी सभी जानकारियां जिले की आधिकारिक वेबसाइट और स्थानीय समाचार पत्रों के माध्यम से आम नागरिकों तक पहुंचाई जाएंगी ताकि प्रभावित क्षेत्र के लोग समय पर आवश्यक दस्तावेज और जानकारी उपलब्ध करा सकें भू-सर्वेक्षण प्रक्रिया को भूमि विवादों के निराकरण और रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है अधिकारियों का कहना है कि असर्वेक्षित भूमि का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार होने से भविष्य में प्रशासनिक कार्य अधिक सरल और पारदर्शी बनेंगे साथ ही शासन की विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में भी सुविधा मिलेगी। राजस्व विभाग ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि सर्वेक्षण कार्य के दौरान प्रशासन को सहयोग करें तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराकर प्रक्रिया को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं।

रायसेन में 44 डिग्री पहुंचा तापमान, भीषण गर्मी से सड़कों का डामर पिघला, दोपहर में बाजार में पसरा सन्नाटा

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में इस सीजन में दूसरी बार गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और लू के कारण शहर में कई जगहों पर सड़कों का डामर पिघल गया। सुबह 11 बजे के बाद ही बाजारों में सन्नाटा पसर गया और गर्मी से बचने के लिए लोग घरों में कैद हो गए।

भीषण गर्मी और गर्म हवाओं ने शहर के जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। ड्रोन से शहर की प्रमुख और सबसे व्यस्त सड़कों का जायजा लिया गया, तो वे पूरी तरह सूनी दिखाई दीं। आम दिनों में वाहनों से भरी रहने वाली इन सड़कों पर लोगों की आवाजाही न के बराबर रही।

गमछे और पेड़ों की छांव का लिया सहारा: जरूरी काम से घरों से बाहर निकले लोग गर्मी से बचने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाते नजर आए। कई लोग पेड़ों की छांव में बैठकर राहत तलाशते दिखे। वहीं, गर्म हवाओं और लू से बचाव के लिए लोगों ने अपने चेहरे को गमछे और रुमाल से ढक कर रखा।

रात में भी उमस बरकरार, लू का अलर्ट

दिन के साथ-साथ रात की गर्मी भी लोगों को परेशान कर रही है। रात का तापमान 28 से 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से उमस और बेचैनी बनी हुई है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में क्षेत्र में तेज लू चलने का अलर्ट जारी किया है।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

गर्मी के तीखे तेवर देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी जारी कर दी है। डॉक्टरों ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

पानी और तरल पदार्थों का करें सेवन

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि शरीर में पानी की कमी न होने दें और तरल पदार्थों का अधिक सेवन करें। इसके अलावा तेल-मसाले वाले भोजन से परहेज करें। यदि किसी को चक्कर, घबराहट या कमजोरी महसूस हो, तो तुरंत अस्पताल पहुंचकर चिकित्सक से संपर्क करें।

रतलाम में रिटायर्ड टीचर पर पेड़ गिरा, मौत सिर फटा, पसलियां टूटी, चोरी छिपे काट रहे थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम के शिवगढ़ में गुरुवार को पेड़ काटने के दौरान रिटायर्ड शिक्षक पर जा गिरा। जिससे मौके पर उनकी मौत हो गई। पेड़ काटने वाले वहां से फरार हो गए। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी है। शिवगढ़ निवासी कृष्णा राठौर (86) प्रतिदिन की तरह गुरुवार सुबह गांव में स्थित अपने रिसॉर्ट पर फूल लेने जा रहे थे। तभी रास्ते में अचानक से बबूल का एक पेड़ उनके सिर पर आकर गिरा। इससे वह बुलेट समेत नीचे गिर गए। पेड़ उनके सिर पर आने से सिर फट गया। अंदर की पसलिया भी टूट गईं। आसपास वालों को जानकारी मिलने पर तुरंत उन्हें लेकर रतलाम मेडिकल कॉलेज लाए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पेड़ काटने वाले भाग गए: मृतक शिक्षक के बेटे महिपाल सिंह राठौर ने बताया कि पिताजी प्रतिदिन रिसॉर्ट में फूल लेने जाते थे। सुबह कुछ लोग पेड़ काट रहे थे। पेड़ काटने के पहले उन लोगों ने ध्यान नहीं रखा और न ही रास्ता रोका। इसी दौरान पिताजी का वहां जाना हुआ और पेड़ का हिस्सा उनके ऊपर आकर गिर गया।

जनपद सदस्य भी रह चुके थे: मृतक कृष्णा राठौर 2003 में प्रधानाध्यापक के पद से शिवगढ़ के बालक प्राथमिक स्कूल से रिटायर्ड हुए थे। इसके अलावा वह सैलाना जनपद सदस्य भी रह चुके थे। बेटे ने बताया कि पुलिस को शिकायत की है। पेड़ काटने वालों पर कार्रवाई की जाए।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण में राशि जमा

मीडिया ऑडीटर,विदिशा (निप्र)। ग्यारसपुर तहसीलदार सौरभ वर्मा ने बताया है कि आर आर सी के दो प्रकरणों में कुल राशि 12 लाख 24 हजार 778 रुपए की वसूली की गई है। ग्यारसपुर तहसीलदार वर्मा द्वारा दोनों प्रकरणों की उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार प्रथम अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के तृतीय अतिरिक्त सदस्य द्वारा पारित आदेशों के पालन में लंबित मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों में राजस्व वसूली की कार्रवाई करते हुए संबंधित पक्षकारों से क्षतिपूर्ति राशि जमा कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण क्रमांक 1656/2010, श्रीमती अहिल्या सिंह विरुद्ध सुनील रघुवंशी एवं अन्य में न्यायालय द्वारा 11 लाख 05 हजार 450 रुपये की राशि मय वार्षिक ब्याज के अधिनिर्णीत की गई थी। इस प्रकरण में सुनील रघुवंशी पिता मोहन सिंह निवासी ग्राम अटारी खेड़ा एवं भगवान सिंह रघुवंशी पिता किशोर सिंह निवासी ग्राम मानौरा को उत्तरदायी ठहराया गया था। इसके अतिरिक्त तेरहवें अतिरिक्त मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण भोपाल के प्रकरण क्रमांक 1085/2015 एचडीएफसी एर्गो विरुद्ध श्रीमती अहिल्या सिंह एवं अन्य में भी बीमा कंपनी द्वारा भुगतान की गई राशि की वसूली हेतु संबंधित वाहन स्वामी एवं चालक पर 5 लाख रुपये से अधिक की राशि मय 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के आरोपित की गई। उक्त आदेशों के तारतम्य में तहसीलदार ग्यारसपुर एवं गुलाबगंज न्यायालय द्वारा राजस्व वसूली प्रमाण-पत्र (ऋ्रष्ट) जारी कर संबंधित पक्षकारों को नोटिस तामील कराए गए। प्रशासनिक कार्रवाई के बाद सुनील रघुवंशी द्वारा 6 लाख 12 हजार 389 रुपये तथा भगवान सिंह रघुवंशी द्वारा भी 6 लाख 12 हजार 389 रुपये की राशि माननीय न्यायालय में जमा कराई गई। प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई को लंबित मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के प्रभावी निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि न्यायालयीन आदेशों के पालन में राजस्व वसूली की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत उच्च शिक्षा के लिए विद्यार्थियों को किया जा रहा जागरूक

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस द्वारा कॉलेज चलो अभियान संचालित किया जा रहा है। कॉलेज की समिति द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के अंतर्गत ड्रॉप आउट विद्यार्थियों एवं ऐसे छात्र-छात्राओं को चिन्हित किया जा रहा है जो किसी कारणवश आगे की पढ़ाई से वंचित है अथवा कॉलेज में प्रवेश लेने के प्रति जागरूक नहीं है। प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा ने बताया कि टीम द्वारा विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों से व्यक्तिगत संपर्क कर संवाद के माध्यम से उच्च शिक्षा के महत्व, रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों, शासकीय योजनाओं, छात्रवृत्तियों एवं भविष्य निर्माण की संभावनाओं की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही स्कूलों में पहुंचकर कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को कॉलेज में उपलब्ध विभिन्न विषयों, नवीन शिक्षा नीति, कौशल विकास आधारित पाठ्यक्रमों, व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों, कैरियर अवसरों एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी संबंधी सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की जा रही है। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को उच्च शिक्षा से जोड़ना, ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करना तथा युवाओं को आत्मविश्वास एवं उज्ज्वल भविष्य की दिशा में अग्रसर करना है। महाविद्यालय में प्रवेश के लिए आ रहे विद्यार्थियों के लिए सेल्फी पॉइंट भी बनाया गया है, जो जागरूकता के साथ-साथ विद्यार्थियों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

एनीमिया मुक्त भारत विषय पर संगोष्ठी आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग, भोपाल एम्स और एनएचएम द्वारा 'एनीमिया मुक्त भारत' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर इस दौरान प्रोफेसर पंकज, डॉ. दीप्ती डाबर, सुअनुषा ऐवेनेजर और डॉ. पूर्वा मदानी द्वारा सीहोर जिले में एनीमिया पर किये गये अध्ययन एवं उसके प्राप्त परिणामों की व्याख्या की गई। डिप्टी डायरेक्टर डा. हीमानी यादव ने एनीमिया मुक्त भारत पर प्रकाश डाला और सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने सुझाव दिए। इस अध्ययन का उद्देश्य लोगो को एनीमिया के प्रति जागरूक करना एवं एनीमिया से होने वाले नुकसान से अवगत कराकर उपचार उपलब्ध कराना था।

माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी की द्वितीय परीक्षा में किया आंशिक संशोधन

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा आयोजित हाई स्कूल/हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 के परीक्षा कार्यक्रम में आंशिक संशोधन किया गया है। यह संशोधन कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट की परीक्षाओं के दृष्टिगत किया गया है। इस संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों को निर्देश भी जारी किए गए है। साथ ही संशोधित परीक्षा कार्यक्रम को विद्यालय के सूचना पटल पर प्रमुखता से प्रदर्शित करने और संबंधित विद्यार्थियों को इसकी जानकारी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाने को कहा है। परीक्षा सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलेगी। नियमित, स्वाध्यायी एवं दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों की परीक्षाएं समान तिथि एवं समय पर संपन्न होंगी। विद्यार्थी संशोधित परीक्षा कार्यक्रम मंडल की वेबसाइट माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश पर भी देख सकते हैं। मंडल द्वारा जारी आदेश के अनुसार पूर्व निर्धारित परीक्षा तिथियों में परिवर्तन किया गया है। 14 मई 2026 को आयोजित होने वाली कृषि , गृह विज्ञान एवं अकाउंटेंसी विषयों की परीक्षाएं अब 19 मई 2026 को होंगी। वहीं 21 मई को होने वाली गणित एवं मनोविज्ञान विषयों की परीक्षाएं अब 26 मई 2026 आयोजित की जाएंगी।

सागर में मोबाइल से आईपीएल सट्टा खिलाते युवक गिरफ्तार,आरसीबी-केकेआर मैच पर लगवा रहा था दांव

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर की मोतीनगर थाना पुलिस ने गुरुवार को ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खिलाते एक आरोपी को पकड़ा है। उसके पास से मोबाइल जब्त किया गया। जिसमें लाखों रुपए के सट्टे के हिसाब-किताब मिला है। आईडी और बेवसाइट भी बरामद हुई है। जिसके आधार पर पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि बीजासेन मंदिर के पास एक युवक मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन वेबसाइट पर आईपीएल मैच में हार-जीत का दांव लगाकर सट्टा संचालित कर रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी ने पुलिस टीम गठित कर कार्रवाई के लिए रवाना की।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को पकड़ा। वह मोबाइल के माध्यम से ऋष्टक्क्बनाम चयक्र आईपीएल मैच पर सट्टा खिलाते मिला। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम रंजीत पिता प्रहलाद सोनी उम्र 24 वर्ष निवासी पुरव्याऊ टौरी होना बताया।

20 हजार रुपए नकद जब्त: आरोपी के कब्जे से मोबाइल कीमती लगभग 20 हजार रुपए जब्त किया गया। मोबाइल की जांच करने पर उसमें ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट संचालित होना पाई गई। जिसमें आईपीएल मैचों पर हार-जीत के लाखों रुपए के लेन-देन, हिसाब-किताब और दांव संबंधी रिकॉर्ड मिले। मोबाइल में विभिन्न टीमों पर लगाए गए दांव और बड़ी रकम का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड भी पाया गया, जिसकी पुलिस जांच कर रही है।

मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 4(क) सट्टा एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच में लिया है। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि आईपीएल सट्टा खिलाते एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से सट्टे का रिकॉर्ड जब्त किया गया है। जिसके आधार पर सट्टे के नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है।

सूखे कुएं में उतरने से कई तरह की हो सकती हैं दुर्घटनाएं मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी की एडवाइजरी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सूखे कुएं में उतरने से हो रही कई तरह की दुर्घटनाएं के संबंध में एडवाइजरी जारी की है।जहरीली गैसों के संपर्क में आनाः हाइड्रोजन सल्फाइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों की उपस्थिति बेहोशी, घुटन और मृत्यु का कारण बन सकती है। ऑक्सीजन की कमीः सीमित स्थान में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से सांस लेने में तकलीफ और बेहोशी हो सकती है।

पानी का अचानक भर जाना: बचाव की स्थिति (बचाव के लिए उठाए जाने वाले कदम): कुएँ में उतरने के पहले लालटेन रस्सी से नीचे डालें यदी लालटेन बुझ जाती है तो वहाँ पर ऑक्सीजन की कमी है और वहां ज़हरीली गैस है, अतः कुएँ के अंदर ना उतरे यदि कोई व्यक्ति सूखे कुएं में दुर्घटना का शिकार हो जाता है, तो बचाव की स्थिति में कदम उठाए जाने चाहिए।

तत्काल कार्रवाई और सुरक्षा: अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करेंः बिना उचित प्रशिक्षण और सुरक्षा उपकरणों के कुएं में उतरने का प्रयास न करें। इससे आप भी खतरे में पड़ सकते हैं। तत्काल मदद के लिए कॉल करेंः तुरंत आपातकालीन सेवाओं (जैसे पुलिस, अग्निशमन दल, बचाव दल) को सूचित करें। उन्हें दुर्घटना का स्थान और स्थिति की जानकारी दें। क्षेत्र को सुरक्षित करेंः कुएं के आसपास के क्षेत्र को खाली कराएं ताकि अन्य लोग खतरे में न पड़ें। स्थिति का आकलन करेंः यदि संभव हो, तो दूर से या सुरक्षित दूरी से दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की स्थिति का आकलन करे।

खंडवा में ग्राइंडर का कटर गर्दन में धंसने से मौत

मोटर वाइंडर की दुकान पर काम के दौरान हादसा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के मूंदी नगर में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसे में मोटर वाइंडर की मौत हो गई। पालसूद रोड स्थित दुकान पर काम करते समय ग्राइंडर मशीन का कटर अचानक उछलकर उसकी गर्दन में जा धंसा। गंभीर चोट और अत्यधिक खून बहने के कारण अस्पताल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, महाजन मोहल्ला निवासी 48 वर्षीय कमलेश गंगराडे पालसूद रोड स्थित अपनी मोटर वाइंडिंग की दुकान पर रोजाना की तरह काम कर रहे थे। दोपहर में वे ग्राइंडर मशीन से काम कर रहे थे, तभी अचानक मशीन का कटर तेज रफ्तार से उछला और सीधे उनकी गर्दन में जा लगा। हादसा इतना भयावह था कि कटर गर्दन में गहराई तक धंस गया।

घटना के बाद दुकान के आसपास अफरा-तफरी मच गई। चीख-पुकार सुनकर आसपास के दुकानदार और राहगीर मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में कमलेश को तुरंत निजी वाहन से मूंदी के शासकीय अस्पताल ले जाया गया। लेकिन तब तक काफी खून बह चुका था। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बड़े भाई इन दिनों तीर्थ यात्रा पर गए: बताया जा रहा है कि कमलेश गंगराडे परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य थे। परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। वहीं, उनके बड़े भाई इन दिनों तीर्थ यात्रा पर गए हुए हैं। सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग अस्पताल और मृतक के घर पहुंच गए। इधर, बद्रीनाथ यात्रा पर गए मृतक कमलेश के बड़े भाई को सूचना दी गई हैं। उनके लौटने के बाद ही अंतिम संस्कार होना हैं।

नगर पालिका चुनाव की तैयारियां तेज

मतदाता सूची पुनरीक्षण हेतु प्रशिक्षण आयोजित

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। नगर पालिका निर्वाचन की तैयारियों के तहत 1 जनवरी 2026 की संदर्भ तिथि के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्य के लिए नगर पालिका भवन विदिशा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची के प्रकाशन, दावे-आपत्तियों की प्रक्रिया एवं विभिन्न प्रपत्रों के उपयोग संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में जिला एवं स्टेट मास्टर ट्रेनर विजय कुमार श्रीवास्तव तथा राहुल जैन द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि नगर पालिका की फोटो मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन 15 मई 2026 को संबंधित मतदान केंद्रों पर किया जाएगा। उन्होंने जानकारी दी कि 15 मई से 25 मई 2026 तक मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन के लिए दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी।

सीहोर की शिवाजी कॉलोनी में मकान में लगी आग

दमकल वाहन ने बुझाया, अनाज, कपड़े और घर का सारा सामान जला

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर के गंज क्षेत्र स्थित शिवाजी कॉलोनी में देर रात एक रिहायशी मकान में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में पीड़ित परिवार की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

यह घटना अंबेडकर पार्क के पीछे शिवाजी कॉलोनी में हर्ष मालवीय (पिता पप्पू मालवीय) के घर में हुई। देर रात अचानक आग भड़क उठी और देखते ही देखते इसने विकराल रूप ले लिया, जिससे घर में रखा सारा सामान इसकी चपेट में आ गया।

दमकल विभाग को रात 1:55 बजे घटना की सूचना मिली। शिवाजी कॉलोनी की तंग गलियों के कारण दमकल वाहन को मौके पर पहुंचने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ा। फायर चालक आरिफ खान और फायरमैन अतीक ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक घर के अंदर रखा अनाज, कपड़े और अन्य कीमती सामान पूरी तरह जल चुका था। पीड़ित परिवार के अनुसार, इस अग्निकांड में लगभग 1 लाख रुपए से अधिक के नुकसान का अनुमान है। आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत 13 जून से 18 जून 2026 तक सीहोर जिले के 60 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को 'वैष्णो देवी' की तीर्थ यात्रा कराई जाएगी। वैष्णो देवी की तीर्थ यात्रा के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 30 मई 2026 है। आवेदन पत्र विभागीय वेबसाइट से प्राप्त कर https://dpms.mp.nic.in पोर्टल के माध्यम से ही दर्ज किए जा सकते हैं। निर्धारित कोटे से अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में पात्र आवेदकों का चयन कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। योजना के अंतर्गत 65 वर्ष से अधिक आयु के ऐसे व्यक्ति, जो अकेले यात्रा करने के लिए आवेदन करते हैं। उन्हें एक सहायक साथ ले जाने की पात्रता होगी। इसके अतिरिक्त 3 से 5 व्यक्तियों के समूह जिसमें सभी सदस्य 65 वर्ष से अधिक आयु के हों उन्हें भी एक सहायक ले जाने की अनुमति होगी, जबकि पति-पत्नी के साथ यात्रा करने की स्थिति में सहायक की अनुमति नहीं होगी।

नर्मदापुरम में खरीदी केंद्र पर किसानों के बीच विवाद, वेयरहाउस में ट्रॉली ले जाने को लेकर हुआ झगड़ा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के ग्राम मिसरोद स्थित शिव वेयरहाउस में गेहूं बेचने आए किसानों के बीच विवाद हो गया। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे वेयरहाउस के अंदर गेहूं से भरी ट्रॉली ले जाने को लेकर किसानों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते झगड़े में बदल गई। केंद्र प्रभारी और कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। किसानों के विवाद का वीडियो किसी ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

ट्रॉली अंदर ले जाने को लेकर हुआ विवाद: विवाद के कुछ देर बाद शाम करीब 4 बजे डोलरिया तहसीलदार अंकित मौर्य और डोलरिया थाना स्टाफ भी मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने केंद्र पर पहुंचकर विवाद की वजह जानी।

खरीदी केंद्र प्रभारी रूप सिंह राजपूत और किसानों ने बताया कि वेयरहाउस पर गेहूं बेचने के लिए ट्रॉलियों की दो लाइनें लगी हुई थीं। 11 और 12 मई से खड़ी ट्रॉलियों वाले किसानों को पहले अंदर भेजा जा रहा था।

बीच में ट्रॉली लगाने पर बढ़ा विवाद: इसी दौरान एक किसान अपनी ट्रॉली अंदर ले जाने की बात कहने लगा। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते झूमाझटकी और गाली-गलौज होने लगी। केंद्र कर्मचारी रूप सिंह राजपूत ने बताया कि किसानों के बीच ट्रॉली अंदर ले जाने को लेकर आपसी विवाद हुआ था, जिसे कर्मचारियों ने शांत करा दिया।

खरीदी में लग रहा दो से तीन दिन का समय: बताया जा रहा है कि शिव वेयरहाउस पर पार्वती स्व सहायता समूह द्वारा गेहूं खरीदी की जा रही है। किसानों का कहना है कि गेहूं बेचने में दो से तीन दिन का समय लग रहा है, जिसके कारण केंद्र पर भीड़ और अव्यवस्था की स्थिति बन रही है।

खंडवा में पुल से गिरी बोलेरो, ड्राइवर की मौतः इंदिरा सागर पावर स्टेशन की रिटेनिंग वॉल तोड़कर 200 फीट खाई में गिरी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में शुक्रवार सुबह के एक हादसे में बोलेरो ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना इतनी भयावह थी कि कार इंदिरा सागर बांध के बाहरी हिस्से में 200 फीट नीचे गिरी हैं। जिससे कि पावर स्टेशन की रिटेनिंग वॉल क्षतिग्रस्त हो गई हैं। रिटेनिंग वॉल ना होती तो कार सीधे टरबाइन से आने वाले पानी में बह जाती। हादसा, खंडवा-भोपाल हाईवे पर नर्मदानगर ओवरब्रिज पर हुई हैं। यह ओवरब्रिज इंदिरा सागर बांध के मुहाने पर हैं। ब्रिज के शुरूआती एरिया से पावर स्टेशन का रास्ता लगा हैं। जहां बांध प्रशासन ने ब्रिज तक जाल लगा रखा हैं। रिटेनिंग वॉल तोड़कर 200 फीट नीचे गिरी कार रिटेनिंग वॉल तोड़कर 200 फीट नीचे गिरी कार भोपाल की तरफ से आई तेज रफ्तार बोलेरो जाल को फांदते हुए नीचे उतर गई। पुलिस ने 200 फीट नीचे उतरकर कार के गेट खोले और ड्राइवर का शव बाहर निकाला। मृतक ड्राइवर की पहचान अभिषेक पिता मायाराम नरगावे (26) निवासी ग्राम अंजनिया खुर्द के रूप में हुई हैं।200 फीट नीचे जाकर पुलिस ने कार से निकाला शव 200 फीट नीचे जाकर पुलिस ने कार से निकाला शव।

सिर-छाती पर चोंट लगने से मौत: नर्मदानगर टीआई विकास खिंची के मुताबिक, मृतक कार ड्राइवर अभिषेक का शव गेट तोड़कर बाहर निकाला गया। जिसकी मौत हो चुकी थी। शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए लाया गया, जहां डॉक्टरों ने सिर और छाती पर गहरी चोंट होने से मौत होना बताया हैं।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई ,एजेंसी । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल।

ऋषभ पंत = लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेऑफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया।

अक्षर पटेल = वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं। बनाए, जिसमें से 56 रन एक ही पारी में आए और बाकी 44 रन आठ पारियों में बने, जबकि उन्होंने ज्यादातर मैचों में शीर्ष पांच में बल्लेबाजी की। गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा, 12 मैचों में 36 ओवर में 8.05 की इकोनॉमी से केवल 10 विकेट ही ले पाये। उनके कई फैसलों पर भी सवाल उठे।

अजिंक्य रहाणे = कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी टीम को प्रेरित करने में विफल रहे। वह टीम के लिए सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे पर उसे एक भी मैच में तेज शुरुआत नहीं दिला पाये न ही अपने साथी अंगकृष रघुवंशी को तेज खेलने के लिए उत्साहित कर पाये। रहाणे और अंगकृष की धीमी शुरुआत के कारण टीम दबाव में रही। रघुवंशी ने 139 से अधिक के स्ट्राइक-रेट से 340 रन बनाए, जबकि कप्तान रहाणे ने 133 के स्ट्राइक-रेट से 237 रन बनाए। दोनों ने शीर्ष तीन में बल्लेबाजी की, जिससे लगभग हर मैच में शुरुआती गति धीमी रही। इन दोनों ने 11 मैचों में मिलकर सिर्फ 25 छक्के लगाए, जो किसी भी टी20 टीम के लिए चिंताजनक है।

ईसीबी ने पहली बार पूर्व महिला क्रिकेटर को बनाया पुरुष टीम का कोच

लंदन ,एजेंसी । इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पहली बार एक महिला क्रिकेटर को पुरुष क्रिकेट टीम का कोच बनाया है। पूर्व विकेटकीपर सारा टेलर को न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए इंग्लैंड की सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का फील्डिंग कोच बनाया गया है। उन्हें कार्ल हॉपकिंसन की जगह कोच बनाया गया है। हॉपकिंसन अभी आईपीएल करार के कारण उपलब्ध नहीं हैं।ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब की सारा को कोच बनाने की घोषणा की। सारा की नियुक्ति क्रिकेट में लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सारा महिला क्रिकेट की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल रही हैं। उन्होंने अपने शानदार करियर में सभी प्रारुपों में कुल मिलाकर 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह बेहतरीन विकेटकीपरों में से एक रही हैं। क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद से ही सारा ने कोचिंग का काम संभाला। उन्होंने पहले एंड्रयू फ्लिंटॉफ के नेतृत्व में इंग्लैंड लायंस (इंग्लैंड ए) टीम के साथ भी कोच के तौर पर काम किया है। इसमें उनके प्रदर्शन की काफी सराहना की गई। इसी को देखते हुए उन्हें सीनियर टीम के सहयोगी स्टाफ में शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने ससेक्स की पुरुष टीम और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के साथ भी फील्डिंग कोच के रूप में अहम भूमिकाएँ निभाई हैं। सारा को कोच बनाये जाने को लेकर ईसीबी के क्रिकेट निदेशक रॉब ने प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह अपने काम में माहिर और सर्वश्रेष्ठ लोगों में से एक हैं। उनका प्रदर्शन असाधारण रहा है और उन्होंने एंड्रयू फ्लिंटॉफ और एड बर्नी के साथ काफी काम किया है।

इटैलियन ओपन: इगा स्वियातेक को हराकर एलिना स्वितोलिना ने बनाई फाइनल में जगह

रोम ,एजेंसी । दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना ने रोमांचक इटैलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में तीन बार की विजेता इगा स्वियातेक को 6-2, 4-6, 6-2 से हराकर तीसरी बार फाइनल में जगह बना ली है। स्वितोलिना 2017-18 में लगातार दो ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार फाइनल मैच में पहुंची हैं। खिताबी मुकाबले में स्वितोलिना का सामना कोको गॉफ से होगा। स्वितोलिना तीसरी बार इस खिताब को अपने नाम करना चाहेंगी, तो गॉफ की निगाहें पहली बार इस ट्रॉफी को उठाने पर होंगी। इसके साथ ही, दोनों खिलाड़ी सीजन का अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 टाइटल जीतने की

कोशिश भी करेंगी। स्वितोलिना इस साल गॉफ को दो बार हरा चुकी हैं, और वह अपने इस शानदार रिकॉर्ड को फाइनल में भी कायम रखना चाहेंगी। एलिना स्वितोलिना ने स्वियातेक को 2 घंटे 14 मिनट में हराने के बाद कहा, इतने सालों बाद फिर से फाइनल में होना बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे लगता है कि टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करके इस तरीके से फाइनल में पहुंचना शानदार एहसास है।

स्वितोलिना ने सेमीफाइनल में 16 में से 11 ब्रेक पॉइंट बचाए, जिसमें फाइनल सेट में उनके सभी पांच ब्रेक पॉइंट शामिल थे। उन्होंने इस सीजन में किसी भी डब्ल्यूटीए मेन ड्रॉ में किसी भी खिलाड़ी के मुकाबले सबसे ज्यादा (59) ब्रेक पॉइंट का सामना किया है, जबकि 44 बचाए हैं। हालांकि, इसमें टीम और ग्रैंड स्लैम इवेंट शामिल नहीं हैं।

गॉफ के खिलाफ एलिना स्वितोलिना का हेड टू हेड रिकॉर्ड 3-2 का रहा है। स्वितोलिना ने गॉफ को ऑस्ट्रेलियन ओपन और फिर दुबई में हराया था। डब्ल्यूटीए के अनुसार, स्वितोलिना और गॉफ की उम्र में 9 साल 182 दिन का फर्क है। यह इटैलियन ओपन के फाइनल में 1990 के बाद सबसे बड़ा उम्र का अंतर है। 1990 में मार्टिना नवरातिलोवा और मोनिका सेलेस के बीच खेले गए फाइनल में उम्र का अंतर 17 साल 45 दिन था।

हमारी किस्मत अब भी हमारे हाथ में, पीबीकेएस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों पर बोले ब्रैड हैडिन

धर्मशाला ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। यह पीबीकेएस की लगातार पांचवीं हार है। टीम को अब प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज करनी होगी। पंजाब किंग्स के सहायक कोच ब्रैड हैडिन का कहना है कि टीम की किस्मत अभी भी उनके हाथों में ही है। पंजाब किंग्स के 12 मुकाबलों के बाद 13 प्वाइंट्स हैं और टीम अंक तालिका में चौथे नंबर पर काबिज है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए हैडिन ने कहा, इससे एक ही बात पता चली है कि हमारे पास दो मैच ही बचे हैं और हमारी किस्मत अभी हमारे हाथ में है। किसी और चीज के बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। सीधी से बात यह है कि हमें अब अपने बचे हुए मैच जीतने ही होंगे। हैडिन ने पंजाब किंग्स के बड़े टोटल बनाने की काबिलियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह टोटल स्कोरबोर्ड पर लगाया। मुंबई ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन अंत के

ओवरों में हमने जबरदस्त बल्लेबाजी की, जिसके बूते हम इस टोटल तक पहुंच सके। कोच ने एमआई के बल्लेबाज तिलक वर्मा की आतिशी पारी की सराहना की। उन्होंने कहा, हमें लगा कि हम लंबे समय तक कंट्रोल में थे, लेकिन मुंबई को जीत दिलाने के लिए तिलक ने एक बेहद खास पारी खेली। तिलक की यह पारी शानदार थी और आपको इसका श्रेय देना होगा।

हैडिन ने कैंप के माहौल और टूर्नामेंट के आखिरी हिस्से में आने वाले दबाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, पूरा टूर्नामेंट हर समय दबाव वाला होता है, और खासकर इस स्टेज पर। आईपीएल क्रिकेट इसी के बारे में है। आपको बड़े पलों को संभालना और दबाव झेलना आना चाहिए। नतीजा दुख दे रहा है, लेकिन इस मुकाबले से अच्छे संकेत मिले हैं।

साल 2030 तक ब्राजील फुटबॉल टीम के हेड कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

रियो डी जनेरियो ,एजेंसी । कार्लो एंसेलोटी ब्राजील के नेशनल टीम के हेड कोच पद पर साल 2030 तक बने रहेंगे। ब्राजीलियन फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को 2030 तक बढ़ा दिया है। 66 वर्षीय एंसेलोटी ने मई 2025 में ब्राजील के हेड कोच का पद संभाला था और टीम को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई कराया था, जिसका आयोजन 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में होना है। उनकी अगुवाई में ब्राजील ने 10 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से टीम को 5 में जीत, तो 3 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, दो मैच ड्रॉ रहे हैं। एंसेलोटी ने सीबीएफ की आधिकारिक वेबसाइट से कहा, मैं एक साल पहले ब्राजील आया था। पहले मिनट से ही, मैं समझ गया था कि इस देश के लिए फुटबॉल का क्या मतलब है। एक साल से हम ब्राजीलियन नेशनल टीम को दुनिया में टॉप पर वापस लाने के लिए काम कर रहे हैं। हालांकि, सीबीएफ और मैं अभी और जीत, समय और काम चाहते हैं।

एंसेलोटी ने आगे कहा, हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हम अगले चार साल तक साथ रहेंगे। हम 2030 वर्ल्ड कप तक साथ रहने वाले हैं। मैं सीबीएफ को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। ब्राजील, इतने अच्छे स्वागत और इतने प्यार के लिए धन्यवाद। पद संभालने क के बाद से एंसेलोटी ने पांच जीत, दो ड्रॉ और तीन हार देखी हैं।

सीबीएफ प्रेसिडेंट समीर जौद ने इस विस्तार को एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा, कार्लो एंसेलोटी का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ना पांच बार की वर्ल्ड कप जीतने वाली नेशनल टीम को एक मजबूत, आधुनिक और प्रतिस्पर्धी संरचना देने के हमारे प्रतिबद्धता में एक और मजबूत कदम है।

ब्राजील वर्ल्ड कप 2026 में अपने अभियान का आगाज 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी। फुटबॉल के सबसे अनुभवी दिमागों में से एक एंसेलोटी का ब्राजील कोच के तौर पर यह उनका पहला ग्लोबल फाइनल होगा।

पंजाब किंग्स के नाम रिकॉर्ड, आईपीएल इतिहास में दूसरी बार एक ही सीजन में 8वां दोहरा शतक

धर्मशाला ,एजेंसी । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इतिहास रच दिया है। पीबीकेएस दो अलग-अलग सीजन में 8 बार दोहरा शतक बनाने वाली इकलौती टीम बन गई है। इस टीम ने साल 2025 में भी 8 मुकाबलों में इस आंकड़े को छुआ था। आईपीएल इतिहास में सिर्फ 3 ही ऐसी टीमें हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में 8 बार 200 के आंकड़े को छुआ। आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस और आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद ने 8-8 बार पारी में दोहरा शतक पूरा किया है। गुरुवार को एचपीसीए स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में पंजाब किंग्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 200 रन बनाए। इस टीम को प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 33 गेंदों में 50 रन

की साझेदारी की।

प्रियांश 17 गेंदों में 4 चौकों के साथ 22 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद प्रभसिमरन ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों में 57 रन जुटाकर टीम को 107 के स्कोर तक पहुंचा दिया था, लेकिन प्रभसिमरन (32 गेंदों में 57 रन) के आउट होते ही विकेटों का पतझड़ लग गया।

इसके बाद अजमतुल्लाह उमरजई ने 17 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 38 रन, जबकि जैवियर बार्टलेट (नाबाद 18) और विष्णु विनोद (नाबाद 15) ने तूफानी पारियां खेलते हुए टीम को 200/8 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

मुंबई इंडियंस की तरफ से शार्दुल ठाकुर ने 39 रन देकर सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि दीपक चाहर ने 2 विकेट निकाले। कॉर्बिन बॉश और राज बावा ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

पीबीकेएस को मिली लगातार पांचवीं हार, कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड

धर्मशाला ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। पीबीकेएस की यह लगातार पांचवीं हार है। इस हार के साथ ही कप्तान श्रेयस अय्यर के नाम शर्मनाक रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। दरअसल, आईपीएल में बतौर कप्तान 200 से ज्यादा रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए सबसे अधिक मैच हारने का अनचाहा रिकॉर्ड श्रेयस अय्यर के नाम हो गया है। 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए अय्यर ने सातवें मैच में हार का सामना किया है। आईपीएल इतिहास में अय्यर के अलावा कोई भी कप्तान 200 प्लस के टारगेट का बचाव करते हुए पांच से ज्यादा मैच नहीं हारा है। श्रेयस अय्यर ने आईपीएल में 20 ऐसे मुकाबलों में कप्तानी की है, जिसमें उनकी टीम को 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करना था। इस दौरान श्रेयस ने 12 मुकाबलों में जीत दर्ज की है, तो 7 मुकाबलों में उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा

है। वहीं, पंजाब किंग्स ने टी20 क्रिकेट में 10वीं बार 200 से अधिक रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए हार का सामना किया है।

साल 2022 से कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हार का सामना नहीं किया था, लेकिन गुरुवार को उनका यह शानदार रिकॉर्ड टूट गया। एमआई के खिलाफ बतौर कप्तान अय्यर ने 7 मुकाबलों में जीत दर्ज की। आईपीएल में एक टीम के खिलाफ लगातार सर्वाधिक मैच जीतने का रिकॉर्ड गौतम गंभीर के नाम है, जिन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी करते हुए पंजाब किंग्स के खिलाफ 8 मैच जीते हैं।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब किंग्स ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 200 रन लगाए। पीबीकेएस की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 57 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि अजमतुल्लाह उमरजई ने 17 गेंदों में 2 चौके और 4 छक्कों की मदद से 38 रन बनाए। हालांकि, मुंबई इंडियंस ने 201 रनों के लक्ष्य को 4 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल कर लिया। एमआई की ओर से तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 33 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली, जबकि रयान रिकेल्टन ने 23 गेंदों में 48 रन बनाए। तिलक ने अपनी पारी में 6 चौके और छह छक्के लगाए। वहीं, विल जैक्स ने 10 गेंदों में 25 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को जीत दिलाकर लौटे।

पोलार्ड पर लगा मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना पड़ा महंगा

मुंबई ,एजेंसी । मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के बीच हुए मुकाबले में पोलार्ड को आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का दोषी पाया गया है। मैच फीस के साथ-साथ पोलार्ड के खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। दरअसल, मुंबई इंडियंस की पारी के 19वें ओवर में पोलार्ड चौथे अंपायर से बहस करते हुए नजर आए थे। इस दौरान पोलार्ड ने अंपायर को अपशब्द भी कहे। पोलार्ड ने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 का उल्लंघन किया है, जो खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के खिलाफ मैच के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा हुआ है। आईपीएल ने शुक्रवार को जारी किए एक बयान में कहा, मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच कीरोन पोलार्ड पर आईपीएल के खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट पॉइंट भी मिला है। पोलार्ड को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 को तोड़ने का दोषी पाया

गया है, जो मैच के दौरान सुनाई देने वाली अभद्र भाषा के इस्तेमाल से जुड़ा हुआ है। यह घटना दूसरी पारी के 19वें ओवर में हुई जब पोलार्ड ने चौथे अंपायर के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। पोलार्ड ने अपनी गलती मानते हुए मैच रेफरी पंकज धर्माणी द्वारा सुनाई गई सजा को स्वीकार कर लिया है।

गुरुवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीबीकेएस ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 200 रन लगाए। टीम की ओर से प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 57 रनों की दमदार पारी खेली। हालांकि, एमआई ने तिलक वर्मा द्वारा खेली गई 33 गेंदों में नाबाद 75 रनों की तूफानी पारी के बूते 201 रनों के लक्ष्य को 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया।

दो-दो बार भूमि पूजन, फिर भी बंद पड़ा STP

रीवा में सीवरेज परियोजना पर उठे सवाल, महापौर ने 7 दिन में मांगी रिपोर्ट

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम क्षेत्र में करोड़ों रुपये की सीवरेज परियोजना एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गई है। वार्ड क्रमांक 06 स्थित 12.0 एमएलडी क्षमता वाले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) को लेकर अब प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर अजय मिश्रा बाबा ने निगम आयुक्त को पत्र लिखकर 7 दिवस के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं महापौर ने अपने पत्र में कहा है कि एक ही परियोजना का बार-बार भूमि पूजन और लोकार्पण किया जाना जनता के बीच संस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। जानकारी के

अनुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (PHED) द्वारा निर्मित इस STP परियोजना का पहला भूमि पूजन वर्ष 2013 में किया गया था, जबकि वर्ष 2016 में तत्कालीन विधायक एवं वर्तमान उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा इसका लोकार्पण भी किया जा चुका है इसके बावजूद पुनः भूमि पूजन प्रस्तावित किए जाने पर यह सवाल उठ रहा है कि पहले से निर्मित एवं लोकार्पित परियोजना का दोबारा शुभारंभ किस आधार पर किया जा रहा है। महापौर ने यह भी स्पष्ट किया है कि संबंधित ठेकेदार के अनुबंध में केवल स्ञक्क की कमिशनिंग का प्रावधान है किसी नए निर्माण कार्य का उल्लेख नहीं है सूत्रों के अनुसार नगर निगम की आर्थिक स्थिति पहले से ही दबाव में है ऐसे में बिना उचित स्वीकृति के नए कार्य कराए जाने की संभावना को लेकर वित्तीय अनियमितताओं की आशंका भी जताई जा रही है। इससे परियोजना की पारदर्शिता और संचालन व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्ञक्क प्रारंभिक योजना के अनुसार वार्ड क्रमांक 06 में प्रस्तावित नहीं था लेकिन बाद में राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते इसे झिरिया क्षेत्र में स्थापित किया गया। आरोप है कि यह क्षेत्र डूब प्रभावित होने के कारण अब तक दो बार प्लांट जलमग्न हो चुका है जिससे करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद परियोजना का लाभ पूरी तरह नहीं मिल पाया यह भी सामने आया है कि उक्त STP अब तक PHED विभाग की संपत्ति बना हुआ है और इसे विधिवत नगर निगम रीवा को हस्तांतरित नहीं किया गया है।

नियमों के अनुसार परियोजना को पूर्ण रूप से चालू हालत में नगर निगम को सौंपा जाना चाहिए लेकिन यह प्रक्रिया लंबित है महापौर अजय मिश्रा बाबा ने निर्देश दिए हैं कि पूर्ण हो चुके STP को शीघ्र चालू कर जनता को लाभ दिया जाए तथा सीवरेज पाइपलाइन बिछाने से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत प्राथमिकता के आधार पर कराई जाए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस पूरे मामले में क्या रुख अपनाता है और वर्षों से अधर में लटकी यह परियोजना कब तक धरातल पर वास्तविक रूप से कार्यशील हो पाती है।

लू जैसे हालात, घरों में कैद हुए लोग :मई की तपिश ने बढ़ाई परेशानी, 42 डिग्री पहुंचा तापमान

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा में मई की भीषण गर्मी लोगों की परेशानी लगातार बढ़ा रही है। शुक्रवार को शहर में तेज धूप और गर्म हवाओं का असर साफ दिखाई दिया। दोपहर के समय बाजार और सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम रही जबकि लू जैसे हालात ने जनजीवन प्रभावित कर दिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के अनुसार शुक्रवार को रीवा का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों को घरों से बाहर निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ा तीन दिनों में लगातार बढ़ा पारा मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 12 मई को अधिकतम तापमान 40 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस था। 13 मई को तापमान बढ़कर 41 डिग्री पहुंच गया जबकि 14 मई को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। लगातार बढ़ते तापमान से दिन में लू जैसे हालात बन रहे हैं।

IMD के पूर्वानुमान के अनुसार अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत मिलने की संभावना नहीं है।

16 मई को अधिकतम तापमान 42 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री रहने का अनुमान है वहीं 17 और 18 मई को भी तेज गर्मी और साफ मौसम बने रहने की संभावना जताई गई है मौसम विभाग की सलाह मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचने पर्याप्त पानी पीने और धूप से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है स्थानीय निवासी अजय साकेत ने बताया कि दोपहर में गर्म हवाओं के कारण बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं वहीं पूजा द्विवेदी ने कहा कि लगातार बढ़ती गर्मी से बिजली की खपत बढ़ गई है और बाजारों में भीड़ कम दिखाई दे रही है।

सुंदर, स्वच्छ व स्वस्थ रीवा बनाने के लिये सभी कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि किसी भी शहर आदर्श शहर बनाने के लिये आवश्यक है कि हर घर में स्वच्छ पीने का पानी उपलब्ध हो तथा घर के कचरे व गंदे पानी का निष्पादन किया जाय। रीवा को सुंदर, स्वच्छ व स्वस्थ शहर बनाने के सभी कार्य प्राथमिकता से कराये जा रहे हैं। रीवा के हर घर में मीठा पानी पहुंचाना व घर से निकलने वाले गंदे पानी का निष्पादन करके रीवा आदर्श शहर के मानक को पूरा करेगा। उप मुख्यमंत्री ने रीवा शहर के विकास और स्वच्छता को नई दिशा देने के उद्देश्य से तीन एसटीपी का लोकार्पण किया

तथा जयंती कुंज के एसटीपी के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में जब रीवा छोटा शहर था तब यहाँ की आधी आबादी को खारा पानी मिलता था। रीवा शहर में भूमिगत नालियाँ नही थी। मगर प्रधानमंत्री जी के संकल्प व मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में रीवा में हर घर को मीठा पानी दिलाने के लिये 12 टंकियाँ बन रही हैं। भूमिगत नालियाँ बनाई गई हैं तथा घरों से निकलने वाले गंदे पानी को सीवरेज प्लांट तक ले जाकर साफ करने का कार्य कराया जा रहा है। रीवा शहर के आगामी 35 वर्ष के विस्तार व आबादी के अनुरूप कार्ययोजना बनाकर कार्य किये जा रहे हैं ताकि आने वाले वर्षों में किसी भी प्रकार की समस्या न आये। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी विकास व जनोन्मुखी कार्यों को पूरा करना चुनौती है। इसे पूरी गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण कराया जायेगा और रीवा के नागरिकों को महानगर की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि बाबाघाट विवेकानंद एवं बिछिया के एसटीपी के बन जाने से लगभग 25 हजार घरों का गंदा पानी साफ होगा जयंती कुंज में पूर्व में निर्मित एसटीपी जो बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था उसे भी सुधारा जायेगा।

न्यायालय स्थगन आदेश के बाद रात्रि के अंधेरे में अवैध निर्माण जारी शिकायत पर राजस्व विभाग और पुलिस विभाग मौन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के सोहागी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत पैरा, बड़ी ददरी में न्यायालय के स्थगन आदेश की खुलेआम अवहेलना करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि धीरेन्द्र कुमार मिश्र पिता इंद्रभान राम मिश्र एवं रुक्मिणी देवी पति इंद्रभानराम मिश्र द्वारा दूसरे की भूमि पर जबरन स्थगन आदेश के बाद रात्रि के अंधेरे में अवैध मकान निर्माण कराया जा रहा है जबकि संबंधित भूमि खसरा नंबर 40 राजस्व अभिलेख में सुशीला देवी पति लालता प्रसाद मिश्र के नाम दर्ज है उक्त प्रकरण तहसीलदार जवा के न्यायालय में प्रकरण क्रमांक 0027/अ-70/2025-26 के रूप में विचाराधीन रहा जिसके आदेश दिनांक 06/04/2026 के विरुद्ध म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 44(1) के अंतर्गत अपील प्रस्तुत की गई है। साथ ही अपील के साथ धारा 52(2) के तहत स्थगन आवेदन

भी प्रस्तुत किया गया था जिस पर माननीय एसडीएम महोदय द्वारा दिनांक 13/05/2026 को स्थगन आदेश पारित किया गया इसके बावजूद आरोपितों द्वारा न्यायालय के आदेश की अनदेखी करते हुए दिन-रात निर्माण कार्य कराया जा रहा है। मामले की सूचना थाना सोहागी में दिए जाने के बाद भी अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है जिससे भू-स्वामी को डर बना हुआ है पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विरोध करने पर धीरेन्द्र कुमार द्वारा गाली-गलौज की गई तथा गोली मारने की धमकी भी दी गई इतना ही नहीं पूरे परिवार की महिलाओं द्वारा भी विवाद एवं दबाव बनाने का प्रयास किया जा रहा है पीड़ित पक्ष ने प्रशासन एवं पुलिस से तत्काल हस्तक्षेप कर न्यायालय के आदेश का पालन सुनिश्चित कराने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

धूमधाम और भव्य जुलूस के साथ पंचमुखी हनुमान मंदिर में विराजित हुए भगवान शिव और हनुमान जी

पूजा-पाठ एवं हवन के बाद विशाल भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के जवा तहसील मुख्यालय में धार्मिक आस्था और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला जहां जवा व्यापार मंडल अध्यक्ष दिनेश गुप्ता द्वारा अपने निवास पर स्थापित भगवान शिव एवं महाबली हनुमान जी की प्रतिमाओं को भव्य जुलूस के साथ पंचमुखी हनुमान मंदिर में विधि-विधान से विराजित कराया गया इस दौरान पूरे नगर का वातावरण भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला धार्मिक आयोजन की शुरुआत सुबह पूजा-अर्चना एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई। इसके बाद भगवान शिव एवं हनुमान जी की प्रतिमाओं को आकर्षक साज-सज्जा से सुसज्जित वाहन में विराजित कर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकला, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भक्ति गीतों, जयकारों और ढोल-

नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालु झूमते नजर आए यह शोभायात्रा पंचमुखी हनुमान मंदिर, जनपद मैदान पहुंची जहां विधिवत पूजा-पाठ एवं हवन के साथ भगवान शिव और हनुमान जी की प्रतिमाओं की स्थापना संपन्न कराई गई आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु व्यापारीगण समाजसेवी एवं ग्रामीणजन शामिल हुए धार्मिक अनुष्ठान के उपरांत दोपहर लगभग 2 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन प्रारंभ हुआ। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। देर रात्रि लगभग 11 बजे तक लगातार श्रद्धालुओं का आगमन बना रहा और व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में सेवादारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना रहा श्रद्धालुओं ने इसे धार्मिक आस्था सामाजिक एकता एवं सेवा भावना का प्रेरणादायी आयोजन बताया कार्यक्रम के सफल आयोजन पर नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं ने आयोजक दिनेश गुप्ता एवं सहयोगियों की सराहना की।

तिलक कार्यक्रम से लौट रहे वीडियोग्राफरों को हाईवे पर लूटा :पुलिस ने नकली पिस्टल समेत पांच आरोपियों से कैमरे और बाइक बरामद किए

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले की मनगवां पुलिस ने हाईवे पर रात के समय लूट की वारदात को अंजाम देने वाले 5 आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है आरोपियों के कब्जे से लूटी गई बाइक दो महंगे वीडियो कैमरे घटना में प्रयुक्त बाइक और एक नकली लोहे की पिस्टल बरामद की गई है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 3 लाख 25 हजार रुपए बताई गई है पुलिस के अनुसार फरियादी पुष्पेंद्र पटेल ने 5 मई को मनगवां थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह अपने एक दोस्त के साथ 4 मई की रात नईगढ़ी थाना क्षेत्र के पिपरा गांव में आयोजित तिलक कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग करने गया था कार्यक्रम खत्म होने के बाद दोनों रात करीब 1.30 बजे

बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान अधीहा पुल के पास तीन अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने धमकाते हुए उनकी एचएफ डीलक्स बाइक क्रमांक MP17 MW 5861, निकोन कंपनी का कैमरा और सोनी कंपनी का कैमरा लूट लिया और मौके से फरार हो गए घटना के बाद मनगवां पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की विवेचना के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर कुछ युवकों से पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात करना स्वीकार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने उनके कब्जे से लूटी गई बाइक, दोनों कैमरे, घटना में प्रयुक्त एक अन्य बाइक और नकली लोहे की पिस्टल जब्त कर ली।

तीन नाबालिगों को भी पकड़ा गिरफ्तार आरोपियों में अवनीस केवट पिता नंदीस केवट उम्र 19 वर्ष निवासी मालबांस थाना गढ़ और योगेंद्र रजक पिता गैवीनाथ रजक उम्र 20 वर्ष निवासी रौरा कौठार थाना गढ़ शामिल हैं। इनके साथ तीन विधि विरुद्ध बालकों को भी पकड़ा गया है। पुलिस सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई कर रही है।

पूरे मामले की कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गुरकरन सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप मिश्रा और एसडीओपी प्रतिभा शर्मा के निर्देशन में की गई।

शौर्य संकल्प प्रशिक्षण प्रतिभा वृद्धि व क्षमता संवर्धन में सहायक होगा : उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि युवाओं की प्रतिभा वृद्धि व क्षमता संवर्धन में प्रशिक्षण सहायक होगा। प्रशिक्षण में सीखी गई बारीकियाँ व अन्य जानकारियाँ विद्यार्थियों को बेहतर भविष्य निर्माण में उपयोगी होंगी। स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में पिछड़ावर्ग विभाग द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर प्रतिभावान युवाओं को सैन्य बल व अन्य समकक्ष सुरक्षा बलों, पुलिस, होमगार्ड, व निजी सुरक्षा एजेंसियों के लिये तैयार करने हेतु जिला स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उप मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति को सीखने की

जरूरत होती है सीखने की कोई उम्र नहीं होती। युवाओं को प्रशिक्षण देकर उनके बेहतर भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से यह कार्यक्रम उन्हें रचनात्मक कार्यों की ओर अग्रसर करेगा। इसके माध्यम से वह भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह नशे से दूर रहे व अन्य को भी नशे से दूर रहने के लिये जागरूक करें उप मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पोर्ट्स काम्पलेक्स में खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है जिसके माध्यम से वह राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रोशन कर सकते हैं। शुक्ल ने कहा कि युवाओं को बेहतर भविष्य बनाने के लिये स्वयं को तैयार करना होगा। शासन स्तर से इस प्रकार के प्रशिक्षण का आयोजन युवाओं के भविष्य निर्माण में मददगार होंगे उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा शुभकामना देते हुए कहा कि पूरे लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें कार्यक्रम में सहायक संचालक पिछड़ावर्ग कल्याण सुमन द्विवेदी ने बताया कि 45 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण में 200 युवक/युवतियाँ शामिल होंगे। पिछडावर्ग के आर्थिक तौर पर कमजोर युवक, युवतियों के लिये यह प्रशिक्षण उनके भविष्य निर्माण में उपयोगी होगा। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को अध्ययन सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम में अमरकांत शुक्ल, राजगोपाल मिश्रचारी, डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार बेक, संभागीय खेल अधिकारी एम.के. धौलपुरी सहित खेल विभाग के अधिकारी/कर्मचारी पिछड़ावर्ग विभाग के अधिकारी कर्मचारी तथा प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। डिप्टी कलेक्टर सुधीर कुमार बेक ने आभार ज्ञापित किया।

बेटे को बचाने दौड़ी मां को हाईवा ने कुचला, हुई मौत आक्रोशित ग्रामीणों ने लगाया जाम

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज थाना क्षेत्र के जमुहरा गांव में शुक्रवार सुबह सड़क हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने महिला को कुचल दिया जिसके बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दी सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने में जुट गई मृतका की पहचान जमुहरा निवासी आरती कोल (28) पत्नी सुशील कोल के रूप में हुई है उनका घर सीतापुर-पन्नी सड़क मार्ग के किनारे स्थित है। शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे आरती का छोटा बेटा खेलते हुए अचानक सड़क की ओर चला गया बच्चे को बचाने के लिए महिला दौड़कर सड़क पर पहुंची, तभी सीतापुर की ओर से गिट्टी लोड कर पन्नी जा रहे एक तेज रफ्तार हाईवा ट्रक ने उन्हें कुचल दिया हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई ग्रामीणों

ने चालक पर लापरवाही का आरोप लगाया घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई ग्रामीणों ने ट्रक चालक की लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर दी मऊगंज पुलिस को सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और हाईवा ट्रक को जब्त कर लिया। एसडीओपी सचि पाठक और थाना प्रभारी रीना सिंह सहित भारी पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद रहा पुलिस ने ग्रामीणों को समझाइश देकर यातायात बहाल कराने का प्रयास किया मऊगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले में वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।